

## उपायुक्त महोदया

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय डीबीएन शिकार वार्षिक पत्रिका 2022-23 का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यालय की गतिविधियोंको प्रतिबिंबित करती है।

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निखारने एवं उनके द्वारा आयोजित सभी क्रियाकलापों को रचनात्मक रूप में अभिव्यक्त करने हेतु पत्रिका एक सशक्त मंच का कार्य करेगी।

मुझे विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की लेखन क्षमताओं को सँवारने में सफल होगी व उनकी बहमुखी प्रतिभा का भी विकास करेगी।

मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए सभी विद्यार्थियों को शुभाशीष एवं प्राचार्य तथा शिक्षकवृन्द को शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।



प्रीति सक्सेना

( उपायुक्त )

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़ संभाग

## Chairman's Message

“Many thoughts are born in the course of the moment. Some are just dreams and some are visions, and when a vision becomes a purpose, then in due course of time, with dedication and commitment, it changes into reality.”

It is a great pleasure to know that Kendriya Vidyalaya DBN Shikar (BSF) is going to publish ‘Vidyalaya Patrika’ 2022–23 for the students to exhibit their talent, and it goes a long way in shaping their personalities. As you flip through the pages of this edition, you will find an incredible amount of literary talent and creativity on display. It is also a proper medium to keep the parent abreast of the achievements of the students and the Vidyalaya during the year.

I wish the editorial team success and would like to see the magazine flourish and grow richer in content in the years to come. I wish you all a great reading experience.



**With best wishes,  
Pradeep Kumar**

Commdtt. 89 Bn BSF

Chairman VMC KV DBN Shikar(BSF)

## Principal's Message

“The highest education is that which does not merely give us information but makes our life in harmony with all existence”—Rabindernath Tagore.

It is a great pleasure to know that Kendriya Vidyalaya DBN Shikar (BSF) is going to publish its Vidyalaya Patrika 2022–23 for the students to exhibit their talents, and it goes a long way in shaping their personalities. As you flip through the pages of this edition, you will find an incredible amount of literary talent and creativity on display. It is also a proper medium to keep the parent abreast of the achievements of the students and the Vidyalaya during the year. I hope that this patrika will further encourage the children's participation in various co-curricular programmes. It will also encourage the art of writing among the students and train their minds to express themselves freely.

I wish the editorial team success and would like to see the magazine flourish and grow richer in content in the year to come. I wish you all a great reading experience.



**With best wishes!**

**Anuj Kumar**

Principal

K.V. D.B.N. Shikar (BSF)

Distt. Gurdaspur (Pb.)

## CLASS XII 2022-23



1. Maninderpal Singh  
- 93%



2. Krish Chauhan –  
90%



3. Ramandeep Kaur  
88.4 %

## CLASS X 2022-23



1. Aastha Mahajan  
(456/500) 91.2%



2. Prachi Kumari  
(454/500) 90.8%



3. Simranjit Kaur  
(452/500) 90.4%



4. Riya Bidhuri  
(432/500) 86.4%



5. Arman Singh  
(431/500) 86.2%

## Editorial Board

**PATRON:** **Mrs. Preeti Saxena**  
Deputy Commissioner  
KVS Regional Office, Chandigarh

**Mr. Pardeep Kumar**  
Commandant 89th Bn BSF  
Chairman VMC KV DBN Shikar (BSF)

**MENTOR:** **Mr. Anuj Kumar**  
(Principal)  
KV DBN Shikar (BSF)

**EDITOR:**  
Mr. Shankar Lal Mali (PGT Hindi)  
Mr. Kalyan Singh (PGT English)  
Ms. Ashrita Dhodrai (TGT-English)  
Mrs. Santosh Rani (TGT Sanskrit)  
Mr. Sultan Singh Meena (TGT-Art)  
Mr. Tarun Kumar (PRT)

**STUDENT MEMBERS:**  
Ms. Anju khokhar, Class -XII  
Ms. Mandeep, Class-XII  
Ms. Simranjeet Kaur, Class-XI  
Ms. Komaldeep Kaur, Class -X  
Ms. Aastha Mahajan, Class-XI  
Ms. Ishika Chauhan, Class-X  
Ms. Jasnam Kaur, Class-IX

## संपादकीय

केन्द्रीय विद्यालय डीबीएन शिकार रूपी वाटिका में नैतिकता से सिंचित ऐसे प्रसून पल्लवित व पुष्पित किए जा रहे हैं। जिनकी महक से हिंदुस्ताँ ही नहीं सारा जहां महकेगा। छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से बलिष्ठ बनाने, नैतिक शिक्षा से ओतप्रोत करने, चारित्रिक दृढ़ता प्रदान करने, सदाचार के अनुगामी बनाने, मानवता के पुजारी, गुरु जन, माता- पिता व वृद्ध जन के सेवाभावी व सच्चे देश प्रेमी बनाने के लिए प्रबुद्ध शिक्षक सर्वदा कटिबद्ध है।

साहित्य समाज का दर्पण होता है। इसी प्रकार विद्यालय पत्रिका भी वर्ष भर में आयोजित शैक्षिक व पाठ्य सहगामी गतिविधियों का प्रतिबिंब है। इस पत्रिका के माध्यम से निश्चल बालमन की सशक्त अभिव्यक्ति की सतरंगी किरणें प्रस्फुटित हुई हैं, जिन्हें इन मेधावी छात्रों ने कविता, कहानी, लेख, प्रेरक प्रसंग आदि के माध्यम से इस पत्रिका में एक पुष्प स्तबक की भांति सजाया है। पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु उपायुक्त महोदयाकेन्द्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़ संभाग, सहायक आयुक्त चंडीगढ़ संभाग, अध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति, एवं प्राचार्य श्री अनुज कुमार जी का जो अनुभवी संरक्षण हमें प्राप्त हुआ इस हेतु हम उनका आभार व्यक्त करने हैं तथा उन सभी छात्र-छात्राओं अध्यापक अध्यापिकाओं को भी हृदय से अंत स्थल से धन्यवाद प्रेषित करता हूँ जिनका प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोग पत्रिका के प्रकाशन हेतु मिला एवं सभी से अपेक्षा करता हूँ कि --  
औरों को हँसते देख मनु हँसो और सुख पाओ।

अपने सुख को विस्तृत कर लो, सब को सुखी बनाओ।

इति शुभम, शुभमंगलम।

संपादक

शंकर लाल माली, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी



## FROM THE EDITOR.....

Knowledge is a great treasure, and we need to make daunting and untiring efforts to explore it. Even in ancient times, sages would go for rigorous penance in the far-off places of the Himalaya. The journey for knowledge never comes to a halt; rather, people keep on searching and finding new ways. That's the beauty of knowledge. It's true that we can't get wisdom from knowledge. As it is rightly said, "The beginning of knowledge is the discovery of something we do not understand." Frank Herbert

Kendriya Vidyalaya DBN Shikar (BSF), Gurdaspur (Punjab), extends warm greetings to all readers of our school magazine. The year 2022–23 was an era of acceptance of the new normal and recalibration of expectations from a world formed anew.

This issue of 'School Partika' shows you a glimpse of the monumental strides that our school has taken and presents a beautiful mosaic of student activities and achievements. Students have showcased their numerous creative abilities, be it poetry, painting, or different fields of life. It brings forth many informative, interesting, and creative write-ups. It's a lively expression of the children's expedition from the unplumbed to the ascertained.

Without much ado, we give you 'Partika 2023' with a beautiful message of hope.

"You may not always have a comfortable life, and you will not always be able to solve all of the world's problems at once, but don't ever underestimate the importance you can have because history has shown us that courage can be contagious and hope can take on a life of its own." Michelle Obama

I wish good luck and a bright future to all budding writers!

**Editor**

Kalyan Singh, PGT (Eng)

## हिन्दी

### दोस्ती.....

किसी ना किसी पर किसी को एतबार हो जाता है,  
अजनबी कोई शख्स यार हो जाता है,  
खूबियों से नहीं होती दोस्ती सदा,  
खामियों से भी अक्सर प्यार हो जाता है।  
किन लफ्जों में इतनी कड़वी कसेली बात लिखूं,  
में सच लिखूं की अपनी हालत लिखूं,  
कैसे लिखूं में चांदनी रातें,  
जब गर्म हो तो कैसे में बरसात लिखूं।  
सभी नगमे सास में गाये नहीं जाते,  
सभी लोग महफिल में बुलाए नहीं जाते,  
कुछ पास रहकर भी याद नहीं आते,  
कुछ दूर रहकर भी भुलाए नहीं जाते।

(नाम - रिचिता कक्षा - दसवीं)

### एक सहारा मिला था

एक सहारा मिला था जीवन में आगे बढ़ने के लिए,  
आज वह भी छोटा सा नजर आ रहा है।  
जो बनाया था कभी सपनों का महल,  
आज वह भी टूटा सा नजर आ रहा है।  
जीवन की नदी पार करने का कोई  
किनारा नहीं दिखाई पड़ता,  
बस चारों ओर समुंदर नजर आ रहा है।  
उलझ गया है पक्षियों का आशियाना,  
हर तरफ बस बंजर ही नजर आ रहा है।  
जिंदगी तो तेरे साथ ही मेरे यार,  
अब तो मौत भी हमसफर नजर आ रहा है।

(नाम - रिचिता, कक्षा - दसवीं)

### बेटी बचाओ

लड़की के बिना दुनिया सोचो

कन्या भ्रूण हत्या: एक अधर्म

हम सब के लिए यह शर्म की बात है कि कन्या भ्रूण हत्या का दानव अभी भी जीवित है। महात्मा गांधी ने एक बार टिप्पणी की थी हूकोई भी संस्कृति जीवित नहीं रह सकती है यदि वह महिलाओं को बदनाम करने का प्रयास करती है। यह अब एक स्थापित तथ्य है कि पूरे देश में कन्या भ्रूणों का उनके ही माता-पिता द्वारा क्रूरतापूर्वक गर्भपात कराया जाता है। मौत के इस रक्तर्जित तांडव के पीछे माता-पिता, डॉक्टरों और एक निर्दयी समाज की मिलीभगत है। हमारी घोर अवहेलना बच्ची को काल कोठरी में धकेल रही है। यह नासमझ कसाई एक अपराध है। एक फ्रांसीसी कहावत है कि जो कोई भी अपराध से लाभ कमाता है, वह इसका दोषी होता है। इन गर्भपात करने वाले डॉक्टरों ने इस नेक पेशे को कलंकित किया है। भगवान के प्रतिनिधि होने से भी, वे नरक से हत्यारे बन गए हैं। भाषण और कानून इस बुराई को मिटाने में सफल नहीं हुए हैं। आगे का रास्ता पिछले पापों का प्रायश्चित्त करना है। समाज को शिक्षित करना और महिलाओं को सशक्त बनाना समय की मांग है। डॉक्टरों को संवेदनशील होना चाहिए और उनकी अंतरात्मा को जगाने की जरूरत है। हमें समाज में महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने की जरूरत है। पारिवारिक संपत्ति पर महिलाओं के लिए समान अधिकार और दहेज निषेध अधिनियम का सख्ती से लागू होना इस दिशा में कुछ कदम हैं इस दिशा में महिलाओं को खुद कमान संभालने की जरूरत है। महिलाओं से संबंधित बहस में लड़कियों को दर्शकों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। इस उदासीनता को बदलने की जरूरत है। उन्होंने मानव जाति को जन्म दिया है। अब समय आ गया है कि वे उठें और अपने भाग्य को स्वयं संभालें।

(जसनाम कौर, कक्षा 9)



## जल तो जल है,

जल जीवन है  
सब कुछ हो,  
कुछ ना इस बिन है।

1. कुछ खा जाओ,  
स्वाद लगाओ,  
जब तक जल ना,  
चैन ना छिन है,  
जल तो जल है,  
जल जीवन है,  
सब कुछ हो,  
कुछ ना इस बिन है।
2. मौसम गर्मी,  
की हठधर्मी,  
शीतल जल में,  
ही खुश मन है,  
जल तो जल है,  
जल जीवन है,  
सब कुछ हो,  
कुछ ना इस बिन है।
3. जल से गरजे,  
सागर खारे,  
जल बिन हर कोई,  
जीवन हारे,  
पंछी, पशु हो,  
या कोई जन है,  
जल तो जल है,  
जल जीवन है  
सब कुछ हो,  
कुछ ना इस बिन है।

( राइबाकक्षा- 6)

## पेड़

है यह पेड़ सुंदर कितने  
छोटे बच्चों के साफ मन जितने मत काटो इनको  
मत बांटो टुकड़ों में इनको  
देते हैं हमें कितनी खुशियां  
ले लो चाहे जितनी तुम्हारी इच्छा यह तो है जीवन का सार  
मत डालो इन्हें मार  
हमारी तरह इनमें भी है जान  
करो इनका सम्मान  
यही है एक अच्छे इंसान की पहचान  
यही है कि अच्छे इंसान की पहचान

(नवदीप सिंहकक्षा :नवमी)

## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी चीज जो आज के वर्तमान समय में हमें बहुत कम आती है। पहले तो हमें यह समझना होगा कि आखिर यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है क्या? आर्टिफिशियल यानी इंसानों द्वारा बनाई गई और इंटेलिजेंस यानी सोचने और समझने की शक्ति यानी कि कुल मिलाकर एक ऐसे सोचने और समझने की शक्ति जो इंसानों द्वारा बनाई गई है। यह जानना बहुत रोचक होगा कि आखें अगर यह शक्ति हम मशीनों में डाल दें तो वह हमारा कितना फायदा कर सकती है और आज के समय में हम इंसान इतनी तरक्की कर चुके हैं कि हम इस शक्ति को यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हमने कुछ रोबोट और मशीनें तैयार कर ली है जो हमारे बहुत काम आती है और हमारी रोज की जिंदगी में हमारा साथ देती हैं। तो चलिए जानते हैं इसके फायदों के बारे में आप जानते ही हैं कि इंसान अगर कोई भी काम करता है तो उसे गलतियां जरूर होती है लेकिन अगर वही काम एक एआई यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाला रोबोट करें तो उसमें गलतियों का होना बहुत ही कम होगा क्योंकि उसके पास ऐसे इंटेलिजेंस है जो उसे इंटेलिजेंट बनाती है जिससे उसके सोचने और समझने की शक्ति बढ़ जाती है। दूसरा यह है कि वह मनुष्य के मुकाबले ज्यादा तेजी से काम कर सकते हैं जिससे समय की बचत हो सके। लेकिन क्या आप जानते हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के फायदे होने के साथ-साथ कुछ नुकसान भी हैं तो आइए जानते हैं नंबर 1 अगर वह कोई गलत फैसला ले लेती है तो बहुत बड़ी परेशानी हो सकती है जैसे कि अगर वे मनुष्य पर राज करना चाहे तो मनुष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोट का गुलाम बन कर रह जाएगा और हो सकता है कि आगे जाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मनुष्य को खत्म भी कर दे। नंबर दो अगर हमारा सारा काम रोबोट करेंगे तो हो सकता है कि हमारे अंदर इतना अलसी पन आ जाए तो इसकी वजह से हम बहुत सी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं और हो सकता है कि यह हमारे मृत्यु का भी कारण हो लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अगर हम सही तरीके से इस्तेमाल करें तो हम उसके लाभ ज्यादा प्राप्त कर सकते हैं उम्मीद है कि आपको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में यह जानकारी अच्छी लगी होगी धन्यवाद।

नाम: नवदीप सिंह

कक्षा: नवमी

## कविता== कामयाबी

कामयाबी , क्या है कामयाबी ?मेहनत और परिश्रम से जो मिले वो है कामयाबी,

कुछ भी अब हमें तकदीर पर छोड़ना नहीं है,

जिंदगी को अंधकार की तरफ मोड़ना नहीं है ,

मेहनत कर हमें अंधकार को दूर भगाना है,

और सूरज की किरणों की तरह उभरकर आना है,

कामयाबी,

मेहनत और परिश्रम से जो मिले वो है कामयाबी ,

चाहे लाख कोशिश कर लो तुम

लेकिन कामयाबी तो मेहनत और विश्वास से ही मिलती है,

सागर चाहे कितना भी बड़ा क्यों ना हो,

लेकिन प्यास तो सिर्फ नदी के पानी से ही बुझती है ,

कामयाबी,

मेहनत और परिश्रम से जो मिले वो है कामयाबी ,

सपने तो बहुत सजाए होते हैं मन में,

लेकिन सच तभी होंगे, अगर उन्हें पूरा करने की ठान लें,

और जब वो दिन आएगा ,

तब एक छोटा सिक्का भी सोना कहलाएगा ,

तब एक छोटा सिक्का भी सोना कहलाएगा,

कामयाबी ,मेहनत और परिश्रम से जो मिले,

वो है कामयाबी

वो है कामयाबी ।

कोमलदीप कौर कक्षा == 10

## आदर

बड़ों का सदा आदर करना,  
उनका दिल कभी ना दुखाना ।  
करोगे इनकी तुम जो सेवा,  
तभी मिलेगी तुम को मेवा ।  
सुबह सबेरे करो नमन,  
सभी बड़ों के छुओ चरण ।  
लेकर सबका आशीर्वाद,  
शुरू करो अपना काज ।

सुदीप कक्षा 9वीं

## प्रेरणा

प्रेरणा स्कूल से लो,  
रोज सुबह चलता है जो ।  
हर शाम को मुरझा जाता है ,  
परसदा खुशबू देता है जो ।  
प्रेरणा उस हवा से लो ,  
दिनभर महकती है जो ।  
गंधयुक्त होने के बाद भी ,  
जीवन देती है जो ।  
प्रेरणा उस चांद से लो ,  
सूर्य से प्रकाश लेता है जो ।  
कुछ ना होते हुए भी ,  
अपनी शीतलता प्रदान करता है जो ।  
प्रेरणा उस नदी से लो ,  
निरंतर बहती है जो ।  
परिस्थिति जैसी भी हो ,  
प्यासे की प्यास बुझाती है जो ।  
हे मानव! तुम भी अपनी प्रतिभा से ,  
प्राप्त करो हर लक्ष्य को ।  
इन की प्रेरणा से प्रेरित होकर ,  
धरा के हर जीव की भलाई करो ।

(नाम सिमरबीर कौरकक्षा 9वीं)

## अनुशासन का महत्व

एक मनुष्य के जीवन में अनुशासन होना सबसे ज्यादा महत्व होता है। खुशहाल जीवन जीने के लिए अनुशासन होना बहुत ही आवश्यक है, इसके बिना हम जीवन नहीं जी सकते। अनुशासन का अर्थ है कि नियमों के अनुसार जीवन यापन करना, यह मानव की प्रगति का मूल मंत्र है। अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है- अनु और शासन। अनु उपसर्ग है जो शासन से जुड़ा है और जिससे अनुशासन शब्द बना है। जिसका अर्थ है- किसी नियम के अधीन रहना या नियमों के शासन में रहना। हमारे जीवन के हर एक काम के लिए बेहतर अनुशासन की आवश्यकता होती है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में तो कहीं ज्यादा अनुशासन की आवश्यकता होती है। यदि अनुशासन का पालन नहीं किया जाए, तो जीवन पूरी तरह खत्म हो जाएगा। वही अगर हम बात करे अपने इतिहास की तो आपको कई ऐसे उदाहरण मिल जाएंगे जिसमें अनुशासन की बदौलत ही किसी लक्ष्य को पाया होगा। यह एक कटु सच्चाई है कि अनुशासन के बिना सफलता नहीं हासिल की जा सकती। जिस देश के लोग अनुशासित हैं, जहां की सेना अनुशासित है, वह देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहेगा, वह सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ता रहेगा।

अच्छे विद्यार्थी को हमेशा अनुशासन में रहना चाहिए। अच्छे विद्यार्थी के गुणों में अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। अनुशासन का पालन करके ही एक अच्छा विद्यार्थी बना जा सकता है। अच्छे विद्यार्थी को हमेशा माता पिता, शिक्षकों, बड़ों की आज्ञाओं को हमेशा पालन करना चाहिए। जीवन को आनंदपूर्वक जीने के लिए विद्या

और अनुशासन दोनों आवश्यक हैं। विद्या का अंतिम लक्ष्य है-इस जीवन को मधुर तथा सुविधापूर्ण बनाना। अनुशासन का भी यही लक्ष्य है। अनुशासन भी एक प्रकार की विद्या अपनी दिनचर्या, भजन चाल, रहन-सहन, सोच-विचार और अपने समस्त व्यवहार को व्यवस्थित करना ही अनुशासन है। विद्यार्थी के लिए अनुशासित होना परम आवश्यक है। अनुशासन का गुण बचपन में ही ग्रहण किया जाना चाहिए। विद्यालय की सारी व्यवस्था में अनुशासन और नियमों को लागू करने के पीछे यही बात है। यही कारण है कि अच्छे अनुशासित विद्यालयों के छात्र जीवन में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। अतः अनुशासन जीवन के लिए परमावश्यक है तथा उसकी प्रथम पाठशाला है।

सुखराज सिंह कक्षा-10

## जिन्दगी जीना सीखा रही थी

गुजर रही है उम्र,  
पर जीना अभी बाकी है।  
जिन हालातों ने पटका है जमीन पर,  
उन्हें उठकर जवाब देना अभी बाकी है।  
चल रहा हूँ मन्जिल के सफर में,  
मन्जिल को पाना अभी बाकी है,  
कर लेने दो लोगों को चर्चे मेरी हार के,  
कामयाबी का शोर मचाना अभी बाकी है।  
वक्त को करने दो अपनी मनमानी,  
मेरा वक्त आना अभी बाकी है,  
कर रहे है सवाल मुझे जो 'द्विरी' समझ कर,  
उन सबको जवाब देना अभी बाकी है।  
निभा रहा हूँ अपना किरदार जिदंगी के मंच पर  
परदा गिरते ही तालीयाँ बजना अभी बाकी है,  
कुछ नहीं गया हाथ से अभी तो, दीप  
बहुत कुछ पाना बाकी है-

(सिमरनजीत कौर कक्षा-11)

## हिमाचल प्रदेश के बारे में

हिमाचल प्रदेश एक उत्तर भारतीय राज्य है। यह उन कुछ राज्यों में से एक था, जो बाहरी रिवाजों से काफी हद तक प्रभावित नहीं हुआ। तकनीकी प्रगति के साथ, राज्य बहुत तेजी से बदल गया है। हिमाचल प्रदेश एक बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी राज्य है। सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से कुछ हिंदी और पहाड़ी है। हिमाचल में रहने वाले हिंदू समुदाय में ब्राह्मण, राजपूत, कन्नट, राशी और कोली शामिल हैं। यहाँ में जनजातीय आबादी भी शामिल है जिसमें मुख्य रूप से गद्दी, किन्नर, गुज्जर, पनवाल और लाहौल शामिल हैं। हिमाचल अपने हस्तशिल्प के लिए अच्छी तरह से जाना जाता है। कालीन, चमड़े के काम, शॉल, पेंटिंग, मेटलवेयर, लकड़ी और पेंटिंग की लोग सराहना करते हैं। पश्मीना शाल उन उत्पादों में से एक है जो मांग में अत्यधिक है। स्थानीय संगीत और नृत्य राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। हिमाचलियों का दिन-प्रतिदिन भोजन उत्तर भारत के बाकी हिस्सों की समान है। यद्यपि हिंदी राज्य की भाषा है, बहुत से लोग पहाड़ी भी बोलते हैं। पहाड़ी में कई बोलियाँ हैं। अधिकांश आबादी कृषि पद्धतियों में लगी हुई है। घर मिट्टी की ईंटों से निर्मित किया जाता है और छत स्लेट के हैं।

(नैना कक्षा9)

## पंजाब राज्यः

### पंजाब राज्य के जिले

इस राज्य में कुल 22 जिले है। पंजाब के मालवा क्षेत्र में 11 जिले है। क्षेत्र के मुख्य जिलों में लुधियाना, मोहाली, संगरूर, भटिंडा, और पटियाला है। यहाँ के दोआबा क्षेत्र में होशियारपुर, जालंधर, नवानशहर और कपूरथला शामिल है। उत्तर भारत के प्रमुख और समृद्ध राज्य में से एक पंजाब के अंतर्गत कुल जिले में क्षेत्रफल की दृष्टि से अमृतसर सबसे बड़ा जिला है

पंजाब के जिलों को सूची-

1. अमृतसर
2. फरीदकोट
3. फजिल्का
4. फतेहगढ़ साहिब
5. फिरोजपुर.....आदि

पंजाब राज्य की जानीमानी हस्तियाँ स

शहीद भगत सिंह

-भारत के स्वतंत्रता संग्राम के युवा क्रांतिकारी भगत सिंह मूलतः पंजाब राज्य से ही थे, जिनका नाम पुरे भारत में गर्व से लिया जाता है।

युवराज सिंह

भारतीय क्रिकेट टीम के हयुवराजह और बाए हाथ के धुँवाधार बल्लेबाज युवराज सिंह भी मूलतः पंजाब राज्य में जन्मे और पले बढे है

(युवराज सिंह कक्षा-10)

## अच्छे और बुरे लोग

अक्सर हम कई बार ऐसे लोगों के बीच आ जाते है जहाँ हम अच्छे और बुरे लोगों में फर्क नहीं समझ पाते है १ यह जीवन की सबसे बड़ी विडम्बना है ऐसे में कुछ बुरे लोग हमें भी अपने जैसा बनाने की कोशिश में रहते है और ऐसा करके उन्हें काफी आनंद भी मिलता है

ऐसे लोग ना तो खुद आगे बढ़ते है और ना किसी को आगे बढ़ने देते हैं अब अच्छे लोगों की क्या खासियत होती है वो जान लेते हैं अच्छे लोग आपको आगे बढ़ने की सलाह देने के साथ-साथ आपकी प्रेरणा के स्रोत भी बनते हैं कई लोग अपने जीवन स्तर में काफी सुधार कर चुके होते है क्योंकि उनके साथ कुछ गतिविधियाँ थी जो उन्हें कुछ अच्छे लोगों से सीखने को मिलीं अपने साधनों का सही उपयोग कहाँ और कैसे करना है ये वो भलीभाँति समझ सकते है।

नाम- तेजबीर सिंह कक्षा-दसवीं

## पहेलियाँ

- |   |  |
|---|--|
| 1. सारे जगत की करूँ मैं सैर,<br>धरती पर रखता नहीं पैर,<br>रात अंधेरी मेरे बगैर,<br>बताऊ क्या है मेरा नाम? | 2. सिर पर सिकुड़ी आगे छतरी,<br>हर घर में है सजा।<br>शान से चलती है धूल उड़ती,<br>करती काम यह ताजा। |
| 3. भूमि को करूँ उपजाऊ,<br>बिना आँख के ही चल पाऊँ।<br>गर्मी में न आऊँ नजर,<br>धरती तो है मेरा घर।          | 4. रंग है उसका पीला,<br>तपाया है तो ढीला।<br>पीटा है तो छैला।                                      |

उत्तर: 1. चंद्रमा 2. झाड़ू 3. केंचुआ 4. सोना

गुरलीन कौर कक्षा-9

## पहेलियाँ

- |  |  |
|--|--|
| 1) ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम पानी के अंदर खाते हैं ?<br>उत्तर: गोता ।          | 4) ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम निकले तो जिंदा रह पाए<br>और अगर वह हमें निकले तो हम मर जाए ?<br>उत्तर: पानी । |
| 2) उत्तर क्या है ?<br>उत्तर: उत्तर एक दिशा है ।                                | 5) वह क्या है जिसे आप एक बार खाकर दुबारा नहीं खाना<br>चाहते मगर फिर भी खाते हैं ?<br>उत्तर: धोखा ।         |
| 3) ऐसा शब्द बताइए कि जिससे फूल मिठाई और फल बन<br>जाए ?<br>उत्तर: गुलाब जामुन । |  |

: सुनैना कक्षा : नौवीं

## मोटा अनाज पत्रिका

(1) रागी

रागी को भारतीय मूल का माना जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है, जिसमें 344 मिग्रा/100ग्राम कैल्शियम होता है। दूसरे किसी भी अनाज में कैल्शियम की इतनी अधिक मात्रा नहीं पाई जाती है। रागी में लौह तत्व की मात्रा 3.9मिग्रा/100ग्राम होती है, जो बाजरे को छोड़कर सभी अनाजों से अधिक है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी जाती है। पारंपरिक रूप से रागी का इस्तेमाल खिचड़ी जैसे आहार के रूप में किया जाता है। अब बाजार में एक तुरंत प्रयोग योग्य आहार के रूप में रागी वमीसेली उपलब्ध है।

(2) बाजरा

बाजरे का इस्तेमाल कई औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है। बाजरे के 100 ग्रा. खाद्य हिस्से में लगभग 11.6 ग्रा. प्रोटीन, 67.5 ग्रा. कार्बोहाइड्रेट, 8 मि.ग्रा लौह तत्व और 132माइक्रोग्राम कैरोटीन मौजूद होता है, जो हमारी आँखों की सुरक्षा करता है। भले ही इसमें पाइटिक अम्ल, पॉलीफेनॉल और एमाइलेज जैसे कुछ पोषण-निरोधी अवरोधक होते हैं, पर पानी में भिगोने के बाद अंकुरण और अन्य पकाने की विधियों से इसके पोषण-निरोधी तत्वों में कमी हो जाती है।

(3) ज्वार

ज्वार नाइजीरिया का प्रमुख भोजन है। ज्वार का औद्योगिक उपयोग अन्य मोटे अनाजों की तुलना में अधिक होता है। इसका उपयोग शराब उद्योग, डबलरोटी उत्पादन उद्योग, गेहूँ-ज्वार संयोजन में किया जाता है। व्यापारिक रूप से शिशु आहार बनाने वाले उद्योगों में ज्वार चवली तथा ज्वार सोयाबीन संयोजन का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें 10.4 ग्रा. प्रोटीन, 66.2 ग्रा. कार्बोहाइड्रेट, 2.7 ग्रा. रेशा और अन्य सूक्ष्म तथा वृहत पोषण तत्व मौजूद होते हैं।

(4) आहार रेशों का महत्व

आहार रेशों को वनस्पति कोशिका के ऐसे घटक के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो हमारे भोजन में मौजूद रहते हैं। आहार रेशों के बड़े लाभ होते हैं। आहार रेशों में पानी सोखने की प्रवृत्ति होती है और ये फूलने (बल्किंग) वाले एजेंट के रूप में कार्य करता है। यह आमाशयांत्र प्रणाली में भोजन की तेज गति को प्रेरित करता है तथा बड़ी आंत में मल के जमा होने की अवधि को कम करता है। यह पित्त लवण से जुड़कर कॉलेस्ट्रॉल की कमी में वृद्धि लाता है तथा हाइपो कॉलेस्ट्रॉलिक एजेंट के रूप में कार्य करता है। इसलिए इसका इस्तेमाल हृदय- रक्तवाहिका तंत्र रोगों

में लाभदायक होता है। चावल में अन्य अनाजों की तुलना में सबसे कम आहार रेशे होते हैं। ज्वार का आहार रेशा 89.2%, बाजरे में 122.3% तथा रागी में 113.5% रेशा मौजूद होता है।

(5) मानव आहार में कैल्शियम का महत्व

एशिया और अफ्रीका की महिलाओं में कैल्शियम का अंतर्ग्रहण प्रस्तावित मात्रा से कम है। गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी होने से बच्चों की हड्डियाँ कमजोर हो जाती है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान अपर्याप्त कैल्शियम लेने से माँ का स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है, इस दौरान माँ की हड्डियों के कैल्शियम का इस्तेमाल भ्रूण के विकास और स्तन दुग्ध के निर्माण में होने लगता है। कैल्शियम की कमी के कारण माँ की संचरण प्रणाली पर बुरा असर पड़ता है और उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा होती है।

गर्भावस्था के दूसरे अर्धवधि में कैल्शियम का पूरक आहार देने से गर्भावस्था से उत्पन्न उच्च रक्तचाप और प्री-एक्लेम्सिया की घटनाओं में कमी आती है। यदि हम मोटे अनाज, रागी और ज्वार के पोषण मानों का विश्लेषण करें, तो पाएंगे कि इनमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होती है। (आयुष-कक्षा-9)

## आंध्र प्रदेश

आन्ध्र प्रदेश 12° 41' तथा 22° अक्षांश और 77° तथा 84°40' देशांतर रेखांश के बीच है और उत्तर में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा, पूर्व में बंगाल की खाड़ी, दक्षिण में तमिल नाडु और पश्चिम में कर्नाटक से घिरा हुआ है। ऐतिहासिक रूप से आन्ध्र प्रदेश को भारत का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की फसल का 77% से ज्यादा हिस्सा चावल है।

फरवरी 2014 को भारतीय संसद ने अलग तेलंगाना राज्य को मंजूरी दे दी। तेलंगाना राज्य में दस जिले तथा शेष आन्ध्र प्रदेश (सीमान्ध्र) में 13 जिले होंगे। दस साल तक हैदराबाद दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी होगी। नया राज्य सीमान्ध्र दो-तीन महीने में अस्तित्व में आजाएगा अब लोकसभा/राज्यसभा का 25/12 सिट आन्ध्र में और लोकसभा/राज्यसभा 17/8 सिट तेलंगाना में होगा।

आन्ध्र प्रदेश में कई संग्रहालय हैं, जिनमें शामिल है- गुंटूर शहर के पास अमरावती में स्थित पुरातत्व संग्रहालय

आन्ध्र प्रदेश के व्यंजन, सभी भारतीय व्यंजनों में सबसे ज्यादा मसालेदार के रूप में विख्यात है 'भौगोलिक क्षेत्र, जाति, परंपराओं के आधार पर आन्ध्र व्यंजन में कई भिन्नताएँ हैं। भारतीय अचार और चटनी, जिसे तेलुगू में पच्चडी कहा जाता है, आन्ध्र प्रदेश में विशेष रूप से लोकप्रिय हैं

(जशनप्रीत सिंह-9)

## स्वस्थ कैसे रहे

सोना और जागना : अगर आप स्वस्थ और चुस्त रहना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने सोने और जागने का समय सही करें।

नहाना- खुद को साफ-सुथरा रखिए।

खाना और पीना - अगर फ्रेश रहना चाहते हैं, तो खाने पर कम और पीने पर ज्यादा फोकस करें। जितनी भूख हो, उससे एक रोटी कम खाएं, ताकि खाना आसानी से पच जाए।

योगा करें- इससे आप स्वस्थ और तंदुरुस्त रहेंगे।

नाम:सानिया शर्माकक्षा -9

## स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया एक राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान है। यह अभियान महात्मा गांधी की जन्म-जयंती पर आरम्भ किया गया था और उसका मुख्य उद्देश्य था भारत को स्वच्छ बनाने और स्वच्छ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने का। इस अभियान का एक मुख्य लक्ष्य था स्वच्छता के महत्व को जनता में जागृत करना, सार्वजनिक स्वच्छता को बढ़ावा देना, सभी नागरिकों को स्वच्छता के लिए जिम्मेदार बनाना और स्वच्छता को समर्थन देने वाले साथी संगठनों को सम्मानित करना था। स्वच्छ भारत अभियान एक सफल राष्ट्रीय अभियान रहा है जो नागरिकों की स्वच्छता की प्रेरणा करता है और एक स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए संघर्ष करता है।

सार्थक शर्मा 9

## स्वच्छता पर कविता

स्वच्छता को नही अपनाओगे  
तो बीमारिया ही लाओगे  
यह भारत घर तों अपना हैं  
इसें स्वच्छ बनाने का हमारा सपना हैं  
साफ सुथरा मेरा मन  
देश मेरा सुन्दर बनें  
स्वच्छता ही उन्नति का आधार हैं  
यहीं जीवन का सार हैं  
देश की धरोहर हैं सबका अधिकार  
हमनें सफाई अभियान को रखना हैं  
हर दिन बरकरार  
देश को मानकर घर हैं अपना  
निर्मल स्वच्छ को बरकरार हैं रखना  
यहीं हैं हमारे भारत का सपना  
इस अभियान को बरकरार है रखना  
देश में कूड़ा करकंट का हैं अम्बार  
हमे सब को मिलकर करना हैं  
इसका सुधार हमे  
सभी का ख्याल हैं रखना  
यहीं मेरे भारत का हैं सपना  
गन्दगी को दूर भगाना हैं  
भारत का मान बढाना हैं  
बापू गाधी जी के सपनें  
को पूरा कर दिखाना हैं  
भारत स्वच्छ बनाना हैं।

(नाम : गुरलीन कौर कक्षा : क)

## शिक्षक

हमें हमारा आज का विषय मिल चुका है शिक्षक जी हां शिक्षक। पहले तो हमें यह जानना होगा कि आखिर एक शिक्षक है क्या शिक्षक वह होता है जो हमें हमारे हर कदम पर हमें सीख दे यानी सिर्फ स्कूल कॉलेज में पढ़ाने वाले ही शिक्षक नहीं होते बल्कि वह सभी लोग जो हमें कुछ सिखाते हैं हमें जीने का तरीका सिखाते हैं मुश्किलों का सामना करना सिखाते हैं वह लोग भी हमारे शिक्षक हैं और हमारी सबसे बड़ी शिक्षक है हमारी मां। जी हां दोस्तों हमारी मां हमें हमारी जिंदगी के हर मोड़ चाहे वह अच्छा हो या बुरा फिर भी हमें जीना सिखाती है और किसी भी मुसीबत से बाहर निकालने की हमेशा सीख देती रहती हैं। लेकिन जो शिक्षक हमें स्कूल और कॉलेज में पढ़ाते हैं वह भी शिक्षक की है क्योंकि चाहे वह हमारे स्कूल है कॉलेज के बाद नहीं लेकिन जब तक हम स्कूल या कॉलेज में हैं वह हमारा हमेशा साथ देते हैं हमारा हर कदम पर मार्गदर्शन करते हैं। अगर हम किसी काम में अच्छे हैं तो वह हमें शाबाशी भी देंगे लेकिन अगर हम किसी काम में बुरे हैं या हम गलत काम करते हैं तो वह हमें डांट आएंगे भी। और यही एक शिक्षक का काम है ताकि कोई भी इंसान अपने मार्ग से भटके ना। हमें हमेशा यह प्रार्थना करनी चाहिए कि हमारा शिक्षक जो हमें कुछ अच्छा सिखाता हो उसको भगवान हमेशा सुखी रखे। धन्यवाद।

(नवदीप सिंह कक्षा-नवमी)

## अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023

भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (International Year of Millets – IYM) 2023 के प्रस्ताव को प्रायोजित किया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकार कर लिया है। इसने भारत सरकार को कट का जश्न मनाने और भारत को बाजरा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का अवसर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कट को ह्वान आंदोलन बनाने के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया है। मोटे छोटे बीज वाली घास हैं जिन्हें अक्सर ह्यूट्री-अनाज कहा जाता है। कुछ

सामान्य प्रकार के बाजरा में ज्वार, बाजरा, रागी और कोदो बाजरा शामिल हैं। ये अनाज उप-सहारा अफ्रीका और एशिया में शुष्क भूमि वाले लाखों छोटे किसानों के लिए एक मुख्य अनाज की फसल हैं और किसानों के लिए पोषण, आय और आजीविका जैसे कई प्रकार के लाभ प्रदान करते हैं। उनका उपयोग भोजन, फीड, चारा, जैव ईंधन और शराब बनाने के लिए भी किया जा सकता है। मोटे अनाज अपने उच्च प्रोटीन स्तर और अधिक संतुलित अमीनो एसिड प्रोफाइल के कारण पौष्टिक रूप से गेहूं और चावल से बेहतर है। इनमें विभिन्न फाइब्रोकेमिकल्स भी होते हैं जिनमें एंटी-ऑक्सीडेंटिव गुणों के कारण चिकित्सीय गुण होते हैं। जलवायु के अनुकूल होने के अलावा, बाजरे के दाने काबोहाइड्रेट, प्रोटीन, आहार फाइबर और अच्छी गुणवत्ता वाले वसा जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

नाम - अंजू खोखरकक्षा - 12वीं

## योग

योग हमारे जीवन में बहुत ही महत्व रखता है, यह हमारे शरीर को शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने की प्रक्रिया है, जिसे हजारों वर्षों से भारत में उपयोग किया जाता है। यह एक प्रकार का व्यायाम है जिसमें कई प्रकार के आसन शामिल हैं। योग हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है तथा हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है एवं शरीर के अंगों को लाभ पहुंचता है। पुराने समय से योग को एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए उपयोग किया जाता आ रहा है। हर किसी को योग करना चाहिए यह हमारी मानसिक क्षमता को भी बढ़ाता है। नियमित योग करने से अनेक लाभ मिलते हैं। यह हमारे मस्तिष्क को मजबूत करता है और हमारे शरीर की मांसपेशियों के लिए भी लाभकारी है। भारत में हुए महान पुरुष योग की सहायता से ही खुद को शारीरिक तथा मानसिक रूप से विकसित किया करते थे।

पहले कुछ देश योग को महत्व नहीं देते थे परन्तु अब विज्ञान ने भी यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिदिन योग करने से हमें कई फायदे मिलते हैं। वर्तमान में अधिकंश लोग अपनी सेहत पर ध्यान नहीं देते हैं और शरीर को बिमारियों का घर कर लेते हैं, अगर आप प्रतिदिन योग करेंगे तो आपको यह कई बिमारियों से बचा कर रखेगा। योग सिखने के लिए आप इंटरनेट के अलावा किताबों की सहायता भी ले सकते हैं। अनियमित दिनचर्या शरीर पर बुरा असर डालती है जिससे हमारे शरीर के मुख्य अंग जैसे दिल, दिमाग, फेफड़े, लीवर, आँखें आदि कमजोर होते जाते हैं। भारत देश को योग का जनक देश कहा जाता है यहा प्राचीन काल से ही योग किया जाता है, भारत की हिन्दू संस्कृति में वेदों और धार्मिक ग्रंथों में योग का विवरण देखने को मिल जाता है।

योग का अर्थ होता है जोड़ना, भारतीय संस्कृति में माना जाता है कि योग करने से आप अपने मन को परम शक्ति से जोड़ते हैं। योग आपमें अनुशासन, धीरता आदि का विकास करता है। योग का इतिहास बहुत ही पुराना है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि ह्यद्योगः कर्मसु कौशलम्। जिसका अर्थ है कि योग से कर्मों में कुशाता आती है।

युवराजदीप सिंहकक्ष 10

## \*आत्मविश्वास\* (SELF CONFIDENCE)

मानव-चरित्र का मौलिक गुण तथा उसके जीवन-पथ का प्रबल संबल है। यह गुण मनुष्य को घर-परिवार व समाज के संस्कार से मिलता है तथा शिक्षण-अभ्यास से यह विकसित होता है। जो आत्मविश्वास का अलख जगाकर जीवन के मार्ग पर आगे बढ़ता है, उसके समक्ष आपदाओं के पर्वत ढह जाते हैं और मंजिल सदा उसकी प्रतीक्षा करती रहती है। जिसके पास आत्मविश्वास का बल है, वह पराजय के क्षणों में भी विचलित नहीं होता, बल्कि नए संकल्प, नए उत्साह से आगे बढ़कर अंततः विजय प्राप्त करता है।

वस्तुतः आत्मविश्वास के अंकुर से प्रयत्न का पौधा उगता है और प्रयत्न के लहलहाते पौधे पर ही सफलता के मधुर फल लगते हैं। आत्मविश्वास मनुष्य को कठिन क्षणों में मुश्किलों और परेशानियों से जूझना सिखाता है। आत्मविश्वास मनुष्य के भीतर छिपी उस अपार शक्ति को बाहर निकालने में सहायक होता है जिसके बारे में व्यक्ति स्वयं नहीं जानता। यह मनुष्य के भीतर संघर्ष की भावना भरता है और कठिन-से-कठिन परिस्थितियों पर हावी होने की क्षमता का विकास करता है। आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति जीवन की कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करता है और बिना रुके आगे बढ़ते चले जाने की भावना का विकास करता है।

किसी ने ठीक कहा है :

मुर्दा वह नहीं जो मर गया है,

मुर्दा वह है जिसका आत्मविश्वास मर गया है।

**SARDARJEE ASHAT VIKRAT SINGH BAJWA11th**

## \*मोटा अनाज वर्ष 2023 \*

2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स मोटा अनाज वर्ष के तौर पर घोषित किया गया है केंद्र सरकार बढ़-चढ़कर इस अनाज को प्रोत्साहित कर रही है इसके प्रचार और उत्पादन को बढ़ाने के लिए जोर दे रही है मोटे अनाज में ज्वार ,बाजरा ,रागी ,कुट्टू,कोदो आदि शामिल हैं उप सहारा अफ्रीका और एशिया के लाखों किसान इन्हें आवश्यक मुख्य अनाज की फसलों के रूप में उगाते हैं इसका उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ और इसकी खेती के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

\*मोटे अनाज के फायदे \*

मोटे अनाज के कई सारे फायदे हैं जैसे कि -



\*दिल के मरीजों के लिए लाभदायक

\*हड्डियों को मजबूत रखता है पाचन तंत्र के लिए सहायक

\* वजन को कंट्रोल में रखने के लिए सहायक

\* डायबिटीज के लिए फायदेमंद आदि इसमें सॉल्युबल फाइबर के साथ ही कैल्शियम और आयरन की मात्रा अधिक होती है मोटे अनाज को कुपोषण के खिलाफ लाभकारी माना जाता है मोटा अनाज कई बीमारियों से बचाव करता है मोटा अनाज हाइपरटेंशन को भी दूर करता है यह अत्यधिक पोषक अमल रहित ग्लूटेन मुक्त और गुणों से युक्त होते हैं इसके अलावा बच्चों और किशोरों में कुपोषण खत्म करने मोटा अनाज का सेवन काफी मददगार है मिलेट्स यानी मोटा अनाज इम्यूनिटी का काम करता है इससे हमें बहुत सारे विटामिन मिलते हैं

NAVNEET KAUR CLASS - 10th

## बेटी

बेटी के प्यार को कभी अजमाना नहीं,  
वे फूल हैं, उसको कभी रुलाना नहीं,  
पिता का तो गुमान होती बेटी  
जिंदा होने की पहचान होती है बेटी,  
उसकी आंखें कभी नम नहीं होने देना,  
उसकी जिंदगी से कभी खुशियां कम नहीं होने देना,  
उंगली पकड़ कर कल जिसको चालाया था तुम्हें,  
फिर डोली में बिठाया था तुमने,  
बहुत छोटा सा सफर होता है बेटी के साथ,  
बहुत कम समय के लिए वो होती हमारे पास,  
असीम दुलार पाने की हकदार है बेटी,  
समझो भगवान का आशीर्वाद है बेटी।

सिमरन कक्षा-9

## यात्रा-वृत्त

एक बार की बात है जब मैं 6 साल की थी तब मैं अपने पापा मम्मी और भाई और मेरे और रिश्तेदारों के साथ चार धाम यात्रा के लिए निकली थी। मुझे अभी जितना याद है उस वक्त मैं घूमने के लिए बहुत उत्साहित थी और मैं नई-नई जगह देखना चाहती थी। पर मेरा यह उत्साह जल्द ही खत्म हो गया क्योंकि मैं पहले ही दिन बीमार हो गई। चलो यह तो कोई बात नहीं लेकिन तीसरे ही दिन मेरे रिश्तेदारों में से मेरी एक दादी हमसे अलग हो गई। वह शिर्डी की भीड़ में हमसे अलग हुई। यह बात सबको तब पता लगी जब हम खाना खाकर अपने कमरों तक पहुंच चुके थे। मेरी दादी के साथ जो रिश्तेदार कमरे में ठहरे थे उन्होंने हमें बाद में बताया कि दादी नहीं मिल रही है। थोड़ी देर बातचीत करने के बाद सब को यह एहसास हुआ कि वह खाने के समय पर भी हमारे साथ नहीं थी और वह शिर्डी के मंदिर में ही हमसे अलग हो गई थी। सारे बहुत ही चिंतित हो गए व इधर-उधर उनको ढूँढने लगे। सबकी चिंता थोड़े ही समय में दूर हो गई जब मेरी दादी हमें मंदिर की सीढ़ियों के पास कुछ और औरतों के साथ बातचीत करती हुई मिली।

मेरे दादाजी तो काफी गुस्से में थे लेकिन बाकी सब लोग इस बात को हंसी मजाक में ले रहे थे। जब सारे दादी के पास पहुंचे तब उनका हालचाल पूछने पर यह पता चला कि किसी चोर ने उनके पर्स को नीचे से काटने की कोशिश की, जिससे पर्स में पड़े पैसे नीचे गिर जाए, जैसे शिर्डी में बाकी लोगों के पर्स से वह चोरी करते थे। पर दादी जी ने बताया कि जो मेरे भाई बहनों के खिलौने उनके पर्स में पड़े थे उन्होंने उस पर्स में पड़े पैसे को नीचे गिरने से बचा लिया और मजे की बात तो यह है कि जो वह खिलौने थे वह मेरे भाई बहन को बहुत जिद करने के बाद मिले थे और उन्हीं खिलौनों की वजह से उन्हें बहुत डांट भी सुननी पड़ी थी। इसलिए कहते हैं कि कभी-कभी बच्चों की बात भी मान लेनी चाहिए।

ऐसा मेरा कहना है : !!

नाम- इशिका चौहान कक्षा-दसवीं

## ..... कोयल.....

1. रोज सवेरे आती कोयल।  
मीठा गीत सुनाती कोयल।

सबको प्यार लुटाती कोयल।  
दिन ढलते उड़ जाती कोयल।

.....●.....

2. तन से तो है काली कोयल।  
मन से मगर निराली कोयल।  
लगे शहद की प्याली कोयल।  
सबको प्रिय मतवाली कोयल।

.....●.....

3. जंगल की रानी है कोयल।  
सहज, सरल वरदानी कोयल।  
बोले मीठी बानी कोयल।  
सपनों भरी कहानी कोयल।

.....●.....

5. शांत हृदय वह प्यारी कोयल।  
भोली-सी सुकुमारी कोयल।  
ममता भरी दुलारी कोयल।  
दुनिया भर में न्यारी कोयल।

.....●.....

6. सुख की एक पहेली कोयल।  
दुख की सदा सहेली कोयल।  
हे निर्भीक अकेली कोयल।  
आदत से अलबेली कोयल।

नाम-प्रतिभा शर्मा कक्षा-10

## एक सवाल!

आओ पूछे एक सवाल,  
मेरे सिर में कितने बाल?  
कितने आसमान में तारे?  
बतलाओ या कह दो हारे!  
नदिया क्यों कहती दिन रात?  
चिड़िया क्या करती हैं बात?  
क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाय?  
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?  
फूल कहा से पाते रंग?  
रहते क्यों न जीव सब संग?  
बादल क्यों बरसते पानी?  
लड़के क्यों करते शैतानी?  
नानी की क्यों सिकुड़ी खाल?  
अजी, न ऐसा करो सवाल!  
यह सब ईश्वर की माया हैं,  
इसको कौन जान पाया है?

नाम -परनीत, कक्षा - नोवी

## बिहार की संस्कृति

बिहार भारत के उत्तर पूर्वी भाग के मध्य में स्थित है' यह एक राज्य है, और इसकी राजधानी पटना है' बिहार को पहले मगध के नाम से जाना जाता था' और जनसंख्या की दृष्टि से भारत का तीसरे स्थान पर आता है' बिहार में भोजपुरी भाषा बोली जाती है' और यहां की संस्कृति हर एक लोगों द्वारा अपनाई जाती है'

बिहार में कई त्योहार मनाए जाते हैं, जैसे कि होली, दिवाली, दशहरा, रामनवमी, महाशिवरात्रि, नाग पंचमी, सरस्वती पूजा और जो सबसे महत्वपूर्ण पर्व मनाया जाता है वह बिहार का सबसे महत्वपूर्ण पर्व छठ है' इसमें लोग सूर्य देवता को भगवान मानकर उनका पूजन करते हैं

बिहार अगर सबसे प्रसिद्ध है तो उसकी वजह है, उसका खानपान बिहार का खानपान बहुत ही अच्छा है, जो कि हरेक लोगों द्वारा पसंद किया जाता है' यहां के लोग बहुत ही अलग अलग प्रकार के व्यंजन बनाते हैं' जैसे कि अगर मिठाई की बात करते हैं, तो कई प्रकार की मिठाईयां बनती है, जैसे कि अनारसे की गोली, खाजा, मोतीचूर के लड्डू, तिलकुट और सत्तू चूड़ा यहां के व्यंजन है' और अगर सबसे ज्यादा जो लोगों द्वारा पसंद किया जाता है वह है लिट्टी चोरखा'

अगर हम खेल की बात करें तो बिहार में कई तरह के खेल खेले जाते हैं' सबसे मन पसंदीदा खेल जो कि बच्चों द्वारा खेला जाता है वह है, गिल्ली डंडा, कंचे और कबड्डी जो कि बिहार में सबसे महत्वपूर्ण खेलों में से एक माना जाता है' और यहां और भी कई सारे खेल खेले जाते हैं, जैसे कि क्रिकेट, यहां के लोग अपनी संस्कृति को बहुत ही अच्छी तरह से मानते हैं एवं निभाते हैं'(पूजा कुमारी कक्षा-बारहवीं)

## संकट

संकट से ना डरो तुम बल्कि उससे डर कर लड़ो  
तुम क्यों डरना इस संकट से पहले भी तो तुमने कहीं संकट है सहे  
अपने दिल को समझाओ संकट से ना डरो तुम  
बल्कि उससे डटकर लड़ो तुम  
संकट तो व्यक्ति के जीवन में आते जाते  
अगर संकट ही ना होंगे तो सही और गलत का ज्ञान कहां से पाते  
लोग कहते हैं हे भगवान तूने हमें ही सारे संकट दे दिए  
भगवान भी क्या जवाब दे तुम्हें कि अगर संकट नहीं आए तो सीखोगे कहां से  
संकट हमेशा के लिए नहीं आते एक सीख देकर चले जाते हैं  
संकट से ना डरना तुम उससे डटकर लड़ना तुम  
संकट से जब लड़ोगे तभी तो मुसीबतों को पीछे हटा सकोगे  
संकट से ना डरना तुम बल्कि उससे डट कर लड़ना तुम

नाम - नेताली, कक्षा - दसवीं

## पेड़

पेड़ों को अधिक से अधिक संख्या में लगाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इससे हम अपने पर्यावरण को तथा हमारे वातावरण को बहुत सुरक्षित बना सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में मैं आपको पेड़ों के त्याग के बारे में बताना चाहती हूँ। जैसे कि आप सभी जानते हैं कि हमारे क्षेत्र डेरा बाबा नानक में राजमार्ग बनने जा रहा है जिस के कारण बहुत सारे पेड़ काटे गए हैं जिस कारण गर्मी बहुत तेजी से बढ़ रही है। और पेड़ों के बेतहाशा कटान से दुर्लभ जीव-जन्तु विलुप्त होने के कगार पर आ गए हैं और जल स्तर भी बहुत नीचे गिर गया है साथ ही बंजर हो रही है जमीनें। पेड़ों के कटने से पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसकी वजह से जैव विविधता की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। यही नहीं उद्योगों से निकलने वाले दूषित पानी से भी जमीन की ताकत गुम होती जा रही है। पॉलीथिन, प्लास्टिक जैसी वस्तुओं से भी जैव विविधता बिगड़ रही है। ऐसे में यदि पर्यावरण को बचाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य नहीं हुए तो जीवन भी खतरे में पड़ जाएगा। लिहाजा, समाज के हर व्यक्ति को वृक्षों को काटने से बचना होगा। साथ ही पौधारोपण के प्रति ध्यान देना होगा, ताकि पर्यावरण को संतुलित स्तर पर लाया जा सके। लोगों को ऐसे पौधे लगाने होंगे, जो ऑक्सीजन फ्रेंडली हों। मसलन, पीपल, पाखड़, बबूल, शीशम आदि ऐसे वृक्ष हैं, जिससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हमें लोगों को जागरूक करना चाहिए जिस से हरे भरे वृक्ष न काटा जाए। धरती की जैव विविधता को वसुधैव कुटुम्बकम्, जियो और जीने दो, जैसी सीख पर चलकर संरक्षित किया जा सकता है। इससे ही प्रकृति, पेड़-पौधे, जीव-जंतु और मनुष्य के बीच सामंजस्य बनाया जा सकता है।

धन्यवाद। -

बलजीत कौर, कक्षा 11

## माँ

रिश्तों के तो नाम कई हैं, पर माँ होना आसान नहीं है। अपना हर एक ख़्वाब भुलाकर, खुश रहना आसान नहीं है। एक एक काम है माँ के जिम्मे समय सारणी सख्त बड़ी है, पल पल काम में उलझे रहना, सच जानो आसान नहीं है। माना यह एहसान नहीं है, किसी पर इल्जाम नहीं है, पर अंतर्मन की अभिलाषा को, भुला पाना आसान नहीं है। घर छोड़ो तो घर बिगड़ेगा, मन तोड़ो तो मन बिगड़ेगा। दोनों को समेट के चलना, यह भी तो आसान नहीं है। सब से कठिन तो तब लगता है, जब कोई समझ नहीं पाया यह, कि कैसे माँ ने पूरी की, हर रिश्ते की जिम्मेदारी। कर कर के भी नाम ना मिलना, हक का वो सम्मान ना मिलना, हसकर सब कुछ टालते रहना, बिल्कुल भी आसान नहीं है।

आस्था महाजन, कक्षा-11

## (कक्षा 6 से 8 )

### पेड़

पेड़ बचेंगे तो धरती बचेगी  
जीवन बचेगा तो कल बचेगा।  
पेड़ से ही तो वर्षा होगी  
नदी बचेगी जल बचेगा।  
जब खेतों में होगा अनाज  
थालियों में भोजन बचेगा।  
जीवन में होगी खुशहाली  
जब धरती पे पेड़ बचेगा।  
नाम प्रभदीप कौर

कक्षा छठी

## मस्तक नहीं झुकाएँगे

मस्तक नहीं झुकाएँगे  
हम प्रभात की नई किरण हैं,  
हम दिन के आलोक नवला  
हम नवीन भारत के सैनिक,  
धीर, वीर, गंभीर अचल।  
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के,  
सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।  
हम हैं, शांति दूत धरणीके,  
छाँह सभी को देते हैं।  
वीर प्रसू माँ की आँखों के,  
हम नवीन उजियाले हैं।  
गंगा-यमुना, हिंदमहासागर,  
के हम रखवाले हैं।  
हम हैं शिवा प्रताप,  
रोटियाँ भले घास की खाएँगे।  
मगर किसी जुल्मी के आगे,  
मस्तक नहीं झुकाएँगे।

- श्री रामधारी सिंह, दिनकर  
इच्छा ( संकलित ) कक्षा छठी

## पेड़ों का महत्व

- पेड़ों की हजारों प्रजातियाँ होती हैं।
- पेड़ कई प्रकारके होते हैं।
- पेड़ों का अपना एक जीवन होता है।
- पेड़ हमारी आस-पास की गन्दी हवा को साफ करते हैं।
- पेड़ मिट्टी के कटाव को रोकते हैं।
- पेड़ों को काटना नहीं चाहिए।
- पेड़ और उसकी शाखाओंका उपयोग ईंधन के स्रोत के रूप में किया जाता है।

परिणीति, कक्षा - छठी

## पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ।  
हरा-भरा जीवन बनाओ।  
छाया यह हमको देते  
फल हमको ये देते हैं।  
प्रदूषण दूर हटाते हैं।  
हमने यह ठाना है।  
हमें भी पेड़ लगाना है।

अवनीत कौर, कक्षा छठी

## पेड़ बचाओ

पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए उतनेही महत्वपूर्ण हैं, जितने कि हमारे लिए भोजन और जल। पेड़ पौधों के बिना हमारा जीवन बहुत ही कठिनाई में पड़ जाएगा, क्योंकि पेड़ पौधे हमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूपसे जीवन प्रदान करते हैं। पेड़ पौधे हमारे लिए प्राणवायु ऑक्सीजन को मुक्त करते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड (CO<sub>2</sub>) का उपभोग करते हैं। पेड़ पौधे ही एकमात्र ऐसे साधन हैं, जो कि पर्यावरण में होने वाले प्रदूषण को कम करते हैं।

यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे, तो उनके बिना हमारा जीवन बहुत ही कष्टकारी हो जाएगा मनुष्य का अस्तित्व समाप्त भी हो सकता है। पेड़-पौधे हमें स्वास्थ्य, समृद्धि देते हैं और अनेकों प्रकार से हमारी सहायता करते हैं। संपूर्ण विश्व में मानवों को प्रकृति की तरफ से दिया गया यह सबसे अनोखा और अनमोल उपहार है। इसी कारण हमें पेड़-पौधों को सम्मान और संरक्षण देना चाहिए, जिससे मानवता का ही भला होगा।

रहमनप्रीत, कक्षा - छठी

## स्वतंत्रता के बारे में

स्वतंत्रता एक मात्र शब्द नहीं है, इसमें समाहित हैं असंख्य भावों की मंदाकिनी, वीरता का स्पंदन, करुणा का रुंदन, कुछ अमर गाथाओं का वर्णन। वर्षों पूर्व हम अंग्रेजोंकी गुलामी से आजाद होकर, एक नए युग की कल्पना में तत्पर हुए। तब तो स्वतंत्रताप्राप्त हुई पर क्या मन ने स्वीकारा इसे? मन पर बेड़ियां लगा कर भी कैसे मनाते हो तत्वमात्र की स्वतंत्रता? घृणा, लालच, दुराचार भीतर रखकर मात्र झंडे फहराने और नारे लगाने को मैं स्वतंत्रताकी श्रेणी में नहीं रखती। स्वतंत्रता सिर्फ एक दिन का जश्न, पुस्तकों में पढाया गया शब्द नहीं है। यह मन का भाव है, मन से स्वीकारें इसे। जय हिंद

नाम-प्रभदीप कौर, कक्षा-छठी

## स्वच्छता

स्वच्छता शब्द का अर्थ होता है साफ रखना। हमें अपने आसपास की चीजों को साफ रखना चाहिए' क्योंकि अगर हम आसपास की चीजों और अपने देश को साफ रखेंगे तभी हम सुरक्षित रह पाएँगे' आजकल दिन-प्रतिदिन कई सारी बीमारियाँ फैलती जा रही हैं जिसका कारण है - गंदगी। हमें इस गंदगी एवं बीमारियों को भगाने के लिए अपने आसपास की चीजों को साफ रखना चाहिए' क्योंकि स्वच्छता ही एकमात्र कुंजी है जिसकी वजह से हम अपने-अपने घर वालों का स्वास्थ्य बचा सकते हैं और आसपास की चीजों को स्वच्छ रख सकते हैं'

जैसा कि सब जानते हैं कि कोरोना महामारी कितनी ज्यादा खतरनाक है, और कितनी ज्यादा जल्दी फैलती है और डेंगू जैसे कई सारी बीमारियाँ और भी हैं जिसका एकमात्र कारण है-गंदगी। हमें इन सभी से खुद को और अपने देशवासियों को सुरक्षित रखना है' इसके लिए हमें हमेशा अपने घर एवं बाहर अपने वातावरण को सुरक्षित

रखना चाहिए क्योंकि अगर हम अपना पहला कदम बढ़ाएँगे तभी तो दुनिया वाले अपना कदम बढ़ाएँगे । इसीलिए पहला कदम स्वच्छताकी ओर और हमें न केवल अपने घरों को बल्कि जहाँ भी कूड़ा-कचरा या गंदगी दिखे वहाँ सफाईकरनी चाहिए'

मुस्कान कुमारी, कक्षा छठी

## स्वच्छता पर कविता

कोई जगह न रहने पाए,  
हर जगह को हम चमकाएँ ।  
सपना यही है बस अपना,  
स्वच्छता को अपनाना है ।  
भारत को स्वच्छ बनाना है,  
भारत को स्वच्छ बनाना है ।  
आओ हम सब साफ करें,  
भारत का हर स्थान ।  
स्वच्छ रहे हर गाँव,-शहर,  
हो विख्यात देश का नाम ।  
होती है जहाँ स्वच्छता,  
वहाँ देवता करते वास ।  
स्वच्छता के होने से,  
कोई रोग न आता पास ।  
सपना यही है बस अपना,  
स्वच्छता को अपनाना है ।  
भारत को स्वच्छ बनाना है,  
भारत को स्वच्छ बनाना है ।

नाम किरनजोत कौर, कक्षा छठी

## खोल दूँ

खोल दूँ यह आज का दिन  
जिसे-  
मेरी देहरी के पास कोई रख गया है,  
एक हल्दी-रंगे  
ताजे  
दूर देशी पत्र-सा ।  
थरथराती रोशनी में,  
हर संदेश की तरह  
यह एक भटका संदेश भी  
अनपढ़ा ही रह न जाए-  
सोचता हूँ  
खोल दूँ ।  
इस सम्पुटित दिन के सुनहले पत्र-को  
जो द्वार पर गुमसुम पड़ा है,  
खोल दूँ ।

नाम -अमन, कक्षा सातवीं

## आइयेजाने G-20 को

जी-20का गठन साल 1999में हुआ था। इसको ग्रुप ऑफ ट्वेंटी भी कहा जाता है। यह यूरोपियन यूनियन और 19देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी-20शिखर सम्मेलनमें इसके नेता हर साल जुटते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ाने पर चर्चा करते हैं।

इसलिए हुआ था गठनशुरूआत में यह वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों का संगठन हुआ करता था। इसका पहला सम्मेलन दिसंबर 1999में जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हुआ था। 2008में दुनिया ने भयानक मंदी का सामना किया था। इसके बाद इसे शीर्ष नेताओं के संगठन में तबदील कर दिया गया। इसके बाद यह तय किया गया कि साल में एक बार जी-20राष्ट्रों के नेताओं की बैठक की जाएगी। जी-20में ये देश हैं शामिल अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारत का विश्वमंचों पर वर्चस्व- भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना। भारत यूएन सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य बना।

- यूएन सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग का रूस और अमेरिका ने समर्थन किया।

- भारत के पास जी-20, SCO की अध्यक्षता। भारत में होनेवाले जी-20की थीम क्या है?

भारत का जी-20अध्यक्षता का विषय वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी-एक कुटुंब-एक भविष्य है। इसे महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है। ऐसा है जी-20 का लोगो जी-20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों-केसरिया, सफेद, हरे और नीले रंगसे प्रेरित है।

- इसमें भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।

अगली अध्यक्षता किस देश के पास?

- इस समूह का कोई स्थायी सचिवालय नहीं है।

- इसकी अध्यक्षता ट्रोइका द्वारा समर्थित है। भारत की अध्यक्षता के दौरान ट्रोइकामें इंडोनेशिया (पूर्व अध्यक्ष), भारत (वर्तमान अध्यक्ष) और ब्राजील (वर्ष 2024में अध्यक्षता) शामिल होंगे।

आरुष गुलेरिया, कक्षा सातवीं

## हम हमेशा दोस्त रहेंगे

हर खुशी तकलीफ, साथ साथ जीया करते थे  
हार हो या जीत, एक दूसरे का साथ दिया करते थे ।  
कभी तुम हमसे, कभी हम तुमसे रूठ जाता करते थे  
फिर हम तुम्हें, और कभी तुम हमें मना लिया करते थे ।  
एक दूसरे की हम, खुद से ज्यादा करते थे  
बस कल ही की बात लगती है ।  
हम तुम अपनी दोस्ती पर, कितना इतराया करते थे  
यकीन नहीं होता , हालात इतने बदल जाएंगे ।  
हम अपनी अपनी दुनिया में , इस कदर खो जाएंगे  
एक दूसरे की जिंदगी में, बस याद बनकर रह जाएंगे ।  
खैर हम न तुम से, न जिंदगी से कोई शिकायत करेंगे,  
बस ये यकीन हो , हमेशा दिल में कायम रहेंगे ।  
जब भी दिल से पुकारेंगे, तुम्हें अपने पास पाएंगे।

नाम - कनिश, कक्षा - सातवीं

## एक भारत श्रेष्ठ भारत

भारतीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2015 (सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिन समारोह) पर दिये गये अपने भाषण में एक भारत श्रेष्ठ भारत योजनाके बारे में बात की। ये वो पहल थी जिसे निकट भविष्य में लागू किया जाना था ।

इस योजना को लागू करने का उद्देश्य पूरे देश के लोगों को एक दूसरे से जोड़ना है। प्रधानमंत्री ने इस योजना की घोषणा 31 अक्टूबर 2015को सरदार वल्लभ भाई पटेल की सालगिरह राष्ट्रीय एकता दिवस पर की थी। ये देश के विभिन्न भागों में सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देनेकी पहल है। इस योजना के माध्यम से एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़कर एक दूसरे की विरासत और धरोहर को बढ़ावा देंगे।

इस योजना के माध्यम से, एक राज्य के लोग दूसरे राज्य की संस्कृति और परम्पराओंका सही ज्ञान प्राप्त करेंगे जो लोगों की पारस्परिक समझ को बढ़ावा देगा और इनके आपसी संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस योजनाको अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये ह्यह एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता को पूरे देशके विभिन्न लोगों के विचार और दृष्टिकोण जानने के लिये शुरू किया गया है। देश के नागरिक अपने दृष्टिकोण, विचारों और सुझावों को प्रस्तुत करने के लिये (सरकार की वेब साइट पर) आमंत्रित हैं जो इसे विभिन्न आयामों पर प्रभावशाली कार्यक्रम बना सके।

ये भारतीय सरकार द्वारा पूरे देश में एकता और सद्भाव को मजबूत करने के लिये किया गया प्रयास है।

नाम पवनजीत, कक्षा सातवीं

## संस्कृत

संस्कृत को विश्व की अन्य भाषाओं की जननी माना जाता है। संस्कृत भाषापुरे भारत में प्रसिद्ध है। भारत में अभी भी ऐसे गांव हैं जहाँ पर अभी भी संस्कृत बोली जाती है। दुनिया भर में सिर्फ संस्कृत ही ऐसी भाषा है जो की पूरी तरह से सही है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के लिए भी संस्कृत को सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। इसका कारण है इसकी शुद्धता। संस्कृत भाषा पर बहुत सी पुस्तकें भी बनी हैं। संस्कृत दुनिया की सबसे पहली भाषा है। संस्कृत भाषा को देववाणी भी कहा जाता है। भारत में बहुत सी भाषाएँ बोली जाती हैं लेकिन फिर भी सबकी प्रिय भाषा हिंदी और संस्कृत हैं।

हार्दिक शर्मा, कक्षा - सातवीं

## माँ की दुनिया

माँ की दुनिया उसके बच्चों से शुरू  
और बच्चों पर खत्म हो जाती है  
चोट मुझे लगती है, दर्द उन्हें होता है,  
मार देती थप्पड़, खुद भी रोती है  
दरवाजे पर पहुँचते ही बस्ता हमारा थाम लेती  
पापा की डाँट से हमें कैसे भी बचा लेती  
मेरे हर वक्त की भूख का अहसास उन्हें है होता,  
मैं कितना खाऊँगी, यह पहले से ही जानती  
मेरे हर निवाले की खुशियाँ है दिखाती,  
जब वह मुझे खिलती और मैं खा लेती,  
मेरे पेट भरने का सुकून उनके चेहरे पर होता,  
गुस्से में भी होंतुम्हें भूखा नहीं छोड़ती  
तुम एक खाओगे तुम्हें दो खिलती  
अपने हिस्से की रोटी बचाना नहीं जानती  
यह देखकर मेरी आँखें पुरनम हो जाती हैं  
माँ की दुनिया उसके बच्चों से शुरू  
और बच्चों पर खत्म हो जाती है

नाम - दिव्या, कक्षा - सातवीं,

## कोशिश कर हल निकलेगा

कोशिश कर, हल निकलेगा  
आज नहीं तो, कल निकलेगा..  
अर्जुन के तीर सा सध  
मरूस्थल से भी जल निकलेगा..  
मेहनत कर, पौधों को पानी दे  
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा..  
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे  
फौलाद का भी बल निकलेगा..  
जिंदा रख, दिल में उम्मीदों को  
गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा..  
कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की  
जो है आज थमा-थमा सा, चल निकलेगा। (संकलित)

कुनाल यादव, कक्षा आठवीं



## प्रदूषण

कलयुगी-कारखाने, मिलउद्योग  
फैला रहे प्रदूषण रोग।  
इनका धूआं, तेज और शोर  
दूषित करे हवा हर और  
दूषित हवा पेड़ ले लेते  
प्राण,वायु बदले मेंदेते।  
पेड़ बचाओ,पेड़ लगाओ  
वायु प्रदूषण रोग मिटाओ,  
शहरों, का यह गंदा पानी  
करे प्रदूषित,जल मनमानी  
करके हर संभव उपचार  
रक्षा करो जीवन भर संसार

नाम-निशिक, कक्षा-आठवीं

## पर्यावरण बचाओ

1. हमारे पर्यावरण को हर कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए क्योंकि यह हमारे लिए एक जीवनदायक शक्ति है।
2. हमें पर्यावरण के अनुकूल कारों और बैटरी से चलने वाली कारों जैसे - वाहनोंका उपयोग करके अपने ग्रह को बचा सकते हैं। साइकिल चलाना तथा पैदल चलना फायदेमंद होता है।
3. जहरीली गैसों और धुआं पैदा करने वाले ईंधन प्रदूषण और स्मॉग का कारण बनते हैं।
4. दूषित पानी पीने से हमें गंभीर टाइफाइड , पीलिया आदि रोग हो सकते हैं।

महकप्रीतकौर, कक्षा - आठवीं

## बी.आर अम्बेडकर

अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महु नगर सैन्य छावनी में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार कबीर पंथ को माननेवाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे। आम्बेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। व्यावसायिक जीवनके आरम्भिक भाग में ये अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। इसके बाद अम्बेडकर भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चचाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारोंकी वकालत करने और दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माणमें उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूपतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था। सन 1990 में, उन्हें भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। देश आज भी उनका जन्मदिवस अम्बेडकर जयंती के रूप में मनाता है।

नाम-महकजोत सिंह, कक्षा-सातवीं

## बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

सर्व धर्म में सबसे ऊपर नारी है,  
यह बिचारी नहीं राजकुमारी है।  
निर्मल है तो गंगा का पवित्र पानी है,  
ज्ञानी सरस्वती की निशानी है।  
निडर दुर्गा की छाया है,  
जब हर रूप में इसने तुम्हारा साथ निभाया है,  
तो क्यों उसको जन्म से पहले,

मौत की नींद सुलाया है?  
तो क्यों उसको जन्म से पहले,  
मौत की नींद सुलाया है?  
कन्या भूण हत्या सबसे बड़ा पाप है,  
बिना कन्या के यह पृथ्वी भी एक श्राप है,  
सबसे बड़ा दान, कन्या दान है।  
उसके लिए यही नारा अपना है ,  
बेटी को पढ़ाना है, बेटी को बचाना है।

सत्कार कौर, कक्षा सातवीं

## पहेलियाँ

1. बीसों का सर काट लिया,  
न चोरी की न पाप किया ।  
बताओ कोन हूँ मैं?  
उत्तर-नाखून।
2. छोटा सा है उसका पेट,  
लेता सारे जगत को समेट,  
चार अक्षर का मेरा नाम।  
उत्तर-अखबार।
3. दो अक्षर का मेरा नाम,  
मेरे बिन ना चलता काम,  
रंगहीन हूँ, स्वादहीन हूँ,  
एकदम आता हूँ मैं काम?  
उत्तर-पानी।
4. जल से भरा वह मटका  
सबसे ऊपर वह लटका।  
उत्तर - नारियल।
5. फल भी हूँ, मिठाई भी हूँ  
क्या हूँ मैं बताओ मेरे भाई।  
उत्तर-गुलाब जामुन

सत्कारकौर, कक्षा-सातवीं

## पंजाब की संस्कृति

पंजाब के लोग बड़े ही उत्साही और जोश से भरे होते हैं क्योंकि यहाँ की मिटटीमें हरे हरे खेतों की महक बसी हुई है। पंजाब की ज्यादातर जनसँख्या गांवों में रहती है। गांवों में रहने वाले लोग पशु-पालनभी करतेहैं। पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है जिसकी अधिकतर जनसंख्या खेती बड़ी में व्यस्त रहकर अपना जीवन बिताती है। पंजाब में पशुपालनकीवजह से यह राज्य दूध उत्पादन में भी बहुत आगे है। पंजाबी लोगों की बोली में अलग ही एक रौब होता है। पंजाब के लोगों की बोली अतरंगी तथा पहनावा सतरंगी होता है तो आइयेपंजाब की अनोखी संस्कृति को विस्तार से जानते है ..

### पंजाब के खान पान

खानपान की जब बात आती है तो पंजाब के खानों के नाम में अलग ही खुमार होता है।पंजाब में सबसे सामान्य तौर पर रोटी सब्जी और चावल खाया जाता है। इसके साथ ही पंजाबीलोग दूध , दही और लस्सी ज्यादा पसंद करते हैं। मक्के की रोटी ते सरसों दा साग, यह वाक्यपंजाब के खान पान को दर्शाता है। सुबह के समय वास्तव में आलू या गोभी के पराठे के साथलस्सी का बड़ा गिलास पंजाब में बहुत मशहूर है। इसके साथ ही पंजाब के खानों में शुमारहै बटर चिकन जोकि सबसे मशहूर और बड़े चाव से खाया जाता है। शक्करपारा, लस्सी, छोले भटूरे, पराठे, अमृतसरीमछली, दाल मखनी, पनीर टिक्का, पंजाबी पकोड़ा कढ़ी, राजमा चावल, सरसों का साग, मक्की की रोटीआदि पंजाब के मुख्य खान पान है।

## पंजाब का पहनावा

पंजाबी लोगों का सामान्य तौर पर पहनावा बड़ा ही सरल होता है जिसमें पुरुष कुर्तापजामा या धोती कुर्ता पहनना पसंद करते हैं तो वही महिलाएं सिंपल सलवार सूट तथा घाघराचोली आदि पहनती हैं। यह सब तो पंजाब के पुराने तौर-तरीकों को दर्शाता है। पंजाब के आज के पहनावे की बात करें तो पंजाब की युवा जनसंख्या अलग-अलग रंग के कुर्ते पजामे, जींस टीशर्ट आदि सब तरह के फैशन के कपड़े पहनना पसंद करती है। वही महिलाओं में भी पंजाबी सूट पटियाला सूट, प्लाजो, जींस - टीशर्ट और सभी फैशनेबल परिधान पहनने का प्रचलन बढ़ गया है।

## शिक्षक

वो अपने ज्ञान की ज्योति से

घर-घर ज्ञान का दीप जलाते हैं,

जो बच्चों को पाठ पढ़ाते हैं

वो राष्ट्र निर्माता कहलाते हैं !

कभी डांट कर कभी प्यार से

बच्चों की गलती उन्हें बताते हैं

जो बच्चों को अनुशासन सिखाते हैं

वो एक अच्छे शिक्षक कहलाते हैं ।

अज्ञानता के काले बादल हटाकर

बच्चों में ज्ञान की रोशनी फैलाते हैं

जो सदैव सत्य के मार्ग पर चलना सिखाते हैं

वो ही असली पथ दर्शक कहलाते हैं ।

जात-पात से ऊपर उठकर

ईमानदारी, त्याग, सहनशीलता, सिखाते हैं

जो अच्छे समाज का निर्माण करते हैं

वो जग में आदर्श शिक्षक कहलाते हैं! हैं!

नाम : नव्या, कक्षा सातवीं

## उम्मीद

एक नवजात चिड़िया की आँखों में बसा

खुले आकाश की पहली उड़ान है

हर पतझड़ के बाद

खिलखिलाते वसंत का आगमन

एक उम्मीद लिए आता है

आम के पेड़ों पर लदी मंजरियाँ

डालियों पर छाये

पलाश, सेमल और कचनार

तेज धूप में

बहादुर सैनिक की तरह डटा

दुपहरिया का फूल

कटे पेड़ की टूँठ पर सिर उठाए

ताजे टटके पत्ते

एक उम्मीद की तरह उग आते हैं

उम्मीद एक नाविक की आँखों में

कलकल बहती नदी है

तुफानी रातों में समुद्र को  
राह दिखाता आकाशदीप  
धरती की आँखों पर आकार लेता  
सबसे सुंदर सपना  
वसंत एक उम्मीद का नाम है  
इस वक्त धरती  
उम्मीद से कितनी हरी-भरी लग रही है।..

नाम- प्रियंका साऊ, कक्षा आठवीं

## भारत माँ की जय बोलो

इन जंजीरों की चर्चा में कितनों ने निज हाथ बँधाए  
कितनों ने इनको छूने के कारण कारागार बसाए,  
इन्हें पकड़ने में कितनों ने लाठी खाई, कोड़े ओड़े,  
और इन्हें झटके देने में कितनों ने निज प्राण गँवाए!  
किंतु शहीदों की आहों से शापित लोहा, कच्चा धागा।  
एक और जंजीर तड़कती है, भारत माँ की जय बोलो।  
जय बोलो उस धीर व्रती की जिसने सोता देश जगाया,  
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया,  
जिसने आजादी लेने की एक निराली राह निकाली,  
और स्वयं उसपर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया,  
घृणा मिटाने को दुनियाँ से लिखा लहू से जिसने अपने,  
हूजो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।  
एक और जंजीर तड़कती है, भारत माँ की जय बोलो।  
कठिन नहीं होता है बाहर की बाधा को दूर भगाना,  
कठिन नहीं होता है बाहर के बंधन को काट हटाना,  
गैरों से कहना क्या मुश्किल अपने घर की राह सिधारें,  
किंतु नहीं पहचाना जाता अपनों में बैठा बेगाना,  
बाहर जब बेड़ी पड़ती है भीतर भी गाँठें लग जातीं,  
बाहर के सब बंधन टूटे, भीतर के अब बंधन खोलो।  
एक और जंजीर तड़कती है, भारत माँ की जय बोलो।  
कटीं बेड़ियाँ और हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ,  
किंतु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ,  
आजादी वह मूर्ति नहीं है जो बैठी रहती मंदिर में,  
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।  
हल्का फूल नहीं आजादी, वह है भारी जिम्मेदारी,  
उसे उठाने को कंधों के, भुजदंडों के, बल को तोलो।  
एक और जंजीर तड़कती है,  
आज के हालात को बयां करती नाज़िम हिकमत की कविता: यही तो सवाल है  
आज के हालात को बयां करती  
अज्ञेय की कविता- क्या कह गयी थी बहकी अलक की ओट तुम्हारी मुस्कान एक बात

नाम प्रियंका साऊ, कक्षा आठवीं

## धरती कितनी बड़ी किताब

जीवन के आने जाने का,  
इस दुनिया के बन जाने का,  
इसमें लिखा सभी हिसाब  
धरती कितनी बड़ी किताब।

खोल खोल कर बाँचा इसको,  
देखा परखा जाँचा इसको,  
निकला है अनमोल खजाना,  
मानव का इतिहास पुराना।

सब अच्छा, कुछ नहीं खराब  
धरती कितनी बड़ी किताब।

खोद खोद कर गहराई से,  
बहुत मिला धरती माई से,  
इन चीजों से जाना हमने,  
धरती को पहचाना हमने।

थोड़ा तुम भी पढ़ो जनाब,  
धरती कितनी बड़ी किताब।

चांदी सोना इसके अंदर,  
हीरे पन्ना इसके अंदर,  
इसमें बीती हुई कहानी,  
इसमें छिपा हुआ है पानी।

ऐसे पढ़ो बन जाओ नवाब,  
धरती कितनी बड़ी किताब।

नवलीनकौर, कक्षा आठवीं

## आजादी

चिड़िया है कैद अगर,  
उड़ने में उसकी कर मदद तू।  
रात है काली अगर,  
दिया जला कर रोशनकर तू  
बीत गए साल रूढ़िवादी विचारों में उलझ कर,  
सुलझा मन के भाव तू,  
औरत आदमी और हो कोई बच्चा,  
सबके जीवन का कर सम्मान तू,  
तोड़ दे दीवारें सारी,  
आगे चल विजयी राह पर  
उन वीरों ने क्या पाया,  
अगर तू अब भी डर में खोया,  
उठ जा तू, छूले आसमान,  
आजादी ये है सबका हक

नाम जैसमीन, कक्षा आठवीं

## माँ की ममता

- माँकी ममता माँ का प्यार,  
झूठा है सारा संसार।
- गोदी उठाती लोरी गाती,  
पहले खाना हमें खिलाती।
- करतीपल -पल हमेंदुलार,  
माँकी ममता माँ का प्यार।
- माँकी आँखों के तारे हम,  
घर के राज दुलारे हम।
- मीठेसुर में रही पुकार,  
माँकी ममता माँ का प्यार।
- दूर नहीं है रहने देती,  
आँसू नहीं है बहने देती।
- करे खिलौने की भरमार,  
माँ की ममता माँ का प्यार

साहिबप्रीत कौर, कक्षा-आठवीं

## मोबाइलफोन के फायदे और नुकसान

### फायदे

मोबाइलफोन की मदद से हम दुनिया की किसी भी जगह से अपने रिश्तेदारों, दोस्तों से बात कर सकते हैं।

मोबाइल फोन की मदद से हम देश और दुनिया केहालात जान सकते हैं।

हम एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए मोबाइलफोन में गूगल मैप की सहायता लेते हैं।

मोबाइल फोन की मदद से हम घर बैठे पैसे कमासकते हैं।

मोबाइल का इस्तेमाल व्यापार में कैलकुलेटरके रूप में कर सकते हैं।

### नुकसान -

मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल करने से लोगोंकी नजर पर असर होता है।

मोबाइल फोन के कारण छात्रों की पढ़ाई-लिखाईबहुत कमजोर हो गई है।

ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल लोगों के दिमागको कमजोर बना देता है।

बचचेलम्बे समय तक फोन पर खेल खेलते रहते हैं, इससे समय की बबादी होती है।

किरणप्रीत कौर, कक्षाआठवीं

## इंसान की कीमत

एक बार लोहे की दुकान में अपने पिता के साथ काम कर रहे एक बालक ने अचानक ही अपने पितासे पुछा झ हूपिताजी इस दुनिया में मनुष्य की क्या कीमत होती है?

पिताजी एक छोटे से बच्चे से ऐसा गंभीर सवालसुन कर हैरान रह गये।

फिर वे बोले-बेटे एक मनुष्य की कीमत आंकनाबहुत मुश्किल है, वो तो अनमोल है।हू

बालक-क्या सभी उतने ही कीमती और महत्त्वपूर्ण हैं ?

पिताजी - हाँ बेटे।

बालक के कुछ पल्ले पड़ा नहीं, उसने फिर सवालकिया झ तो फिर इस दुनिया मे कोई गरीब तो कोई अमीर क्यों हे? किसी की कम इज्जत तो किसीकी ज्यादा क्यों होता है?

सवाल सुनकर पिताजी कुछ देर तक शांत रहे औरफिर बालक से स्टोर रूम में पड़ा एक लोहे का रॉड लाने को कहा।

रॉड लाते ही पिता जी ने पूछा-इसकी क्या कीमत होगी?

बालक-लगभग 300 रुपए।

पिता जी-अगर मैं इसके बहुत से छोटे-छोटे कील बना दूँ, तो इसकी कीमत क्या हो जायेगी ?

बालक कुछ देर सोच कर बोला-तब तो ये और महँगाबिकेगा , लगभग 1000 रुपए का।

पिता जी-अगर मैं इस लोहे से घड़ी के बहुत सारे स्प्रिंग बना दूँ तो?

बालक कुछ देर सोचता रहा और फिर एकदम से उत्साहित होकर बोला तब तो इसकी कीमत बहुत ज्यादा हो जायेगी।

पिताजी उसे समझाते हुए बोले-ठीक इसी तरहमनुष्य की कीमत इसमें नहीं है कि अभी वो क्या है, बल्कि इसमें है कि वो अपने आप को क्याबना सकता है।

बालक अपने पिता की बात समझ चुका था।

## एकसवाल

आओ, पृष्ठ एक सवाल!

मेरे सिर में हैं कितने बाल?

कितने आसमान में तारे?

बतलाओ या कह दो हारे!

नदियाँ क्यों बहती दिन - रात ?

चिड़िया क्या करती है बात ?

क्योंकुत्ता बिल्ली पर धाए ?

बिल्ली क्यों चूहे को खाए ?

फूल कहाँ से पाते रंग ?

रहते क्यों न जीव सब संग?

बादल क्यों बरसाते पानी ?

लड़के क्यों करते शैतानी?

नानी की क्यों सिकुड़ी खाल ?

अजी, न ऐसा करो सवाल !

यह सब ईश्वर की माया है,

इसको कौन जान पाया है?

सुनेहा, कक्षा आठवीं

## बिहार का खान पान और पहनावे

बिहार भारत के उत्तर पूर्वी भाग के मध्य मेंस्थित एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक राज्य है और इसकी राजधानी पटना है। यह जनसंख्या की दृष्टिसे भारत का तीसरा सबसे बड़ा प्रदेश है। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से बारहवां है। बिहारमें बोली जाने वाली भाषा भोजपुरी है

बिहार के पहनावे कुछ इस प्रकार हैं -

वहाँ की छोटी-छोटी लड़कियाँ फ्रॉक पहनती हैं और बड़ों द्वारा धोती और कुर्ता पहना जाता है और सिर पर गमछा रखते हैं। बिहार के लोगबहुत ही ज्यादा मेहनती होते हैं। वे अपना काम खुद ही करते हैं न कि दूसरों पर निर्भररहते हैं बिहार में कई सारे खेल खेले जाते हैं जैसे कि गिल्ली - डंड , कंचे और लड्डूभी चलाते हैं।

बिहार अगर सबसे प्रसिद्ध है, तो उसकी वजह है, उसका खानपान। बिहार का खानपान बहुत ही अच्छा है, जो कि सभी लोगों के द्वारा पसंद किया जाता है। यहाँ के लोग बहुत ही अलग अलग प्रकार के व्यंजन बनाते हैं। जैसे कि अगर हम मिठाईकी बात करें तो कई प्रकार की मिठाईयां बनती है, जैसे कि अनारसा की गोली, खाजा, मोतीचूरका लड्डू, तिलकुट्टे यहाँ की खास पसंद है - सत्तू, चूड़ा दही और लिट्टी चोखा। सुबह केनाशते में चूड़ा दही और पूड़ी जलेबी लोगों द्वारा खूब खाए जाते हैं।

सुभम कुमार, कक्षा आठवीं

## जिंदगी

जीवन कठिन परिश्रम है,

कुछ हासिल करने के लिए,

आपको मेहनत करनी होगी,

और इसी तरह आप खेलते हैं,

जीवन के कार्ड ..  
जीवन कठिन काम है।  
आप नहीं खेल सकते,  
दिन भर।  
कुछ देर खेलने के बाद,  
तुम कुछ और करो,  
जैसे कोई गाना गाओ या पेंट करो या पढ़ाई करो!  
जीवन कठिन काम है।  
और हमें आलसी नहीं होना चाहिए,  
क्योंकि वह आपको कड़ी मेहनत करने से रोकेगा,  
और मेहनत न हो तो,  
आपका जीवन रुकावटों और झटकों से भरा रहेगा।  
जीवन की मेहनत,  
मेहनत का फल अवश्य मिलेगा,  
यदि आप कड़ी मेहनत करते रहते हैं,  
आप सफलता के द्वार खोल देंगे!  
जीवन कठिन काम है।  
एक मिश्रण होना है  
खेल और काम का!  
या कोई खुशी नहीं होगी,  
और खुशी के बिना,  
जीवन इसकी कीमत नहीं है।

हार्दिक सेनी, कक्षा आठवीं

## हमारी पृथ्वी

मैं पृथ्वी हूँ  
और पृथ्वी मैं हूँ।  
घास का हर तिनका,  
हर शहद का पेड़,  
मिट्टी का हर कण,  
और छड़ी और पत्थर  
रक्त और मांसपेशी है,  
त्वचा और हड्डी।  
और जैसा मैं  
हर बिट की जरूरत है  
मुझे बनाना है  
मेरा शरीर फिट,  
तो पृथ्वी की जरूरत है  
घास और पत्थर और पेड़  
और चीजें जो यहां बढ़ती हैं  
सहज रूप में।  
इसलिए हम  
इस दिन को मनाएं।  
इसलिए पार



दुनिया हम कहते हैं,  
जब तक जीवन,  
जैसा प्रिय, उतना मुक्त,  
मैं पृथ्वी हूँ  
और पृथ्वी मैं हूँ।

हार्दिक सेनी, कक्षाआठवीं

## मेरा हिंदुस्तान

देश है हमारा हिंदुस्तान,  
करते हैं हम इस पर मान ।  
जब भी कोई मुश्किल आ जाए  
हो जाएंगे खड़े एक साथ  
चाहे जितना बाकी जोर लगा ले  
रहेंगे हम सब एक साथ ।  
बहादुर हैं हम,  
मेहनती हैं हम,  
मान लीजिए हमें है हम पर मान ।  
चाह है इसमें रहने की,  
हर बात गर्व से कहने की ।  
बसते हैं कई देश इस जहान में,  
पर लिखने को मन करता है बस तेरी शान में ।  
मेरी आन बान शान हमारा हिंदुस्तान ।  
जय हिंद !

खुशमीत कौर, कक्षा-आठवीं

विश्वस्य उपलब्धासु भाषासु संस्कृतभाषा प्राचीनतमा भाषास्ति ।  
 भाषेयं अनेकाषां भाषाणां जननी मता ।  
 प्राचीनयोः ज्ञानविज्ञानयोः निधिः अस्यां सुरक्षितः ।  
 अस्याः वाङ्मयं वेदे, पुराणैः, नीतिशास्त्रैः चिकित्साशास्त्रादिभिश्च समृद्धमस्ति ।  
 इयं अतीव वैज्ञानिकी भाषास्ति । केचन कथयन्ति यत् संस्कृतमेव सङ्गणकस्य कृते सर्वोत्तमा भाषास्ति ।  
 संस्कृते विद्यमानाः सूक्त्यः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति ।  
 यथा - सत्यमेव जयते, विद्ययाऽमृतमश्नुते इत्यादयः ।  
 अस्मात् कारणात् एव संस्कृतस्य महत्वविषये केनापि कथितम् - भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे - ह्य संस्कृतं संस्कृतिस्तथा ।  
 अतः अस्माभिः संस्कृतमवश्यमेव पठनीयम् ।

अस्माकं प्राचीनेतिहासं ज्ञातुमपि संस्कृतस्य ज्ञानम् आवश्यकम् ।  
 एतदर्थं छात्रेषु अस्याः भाषायाः विषये रुचिः जागृता भवति ।  
 अस्माकं विद्यालयेन प्रकाशिता एषा पत्रिका अस्मिन् दिशि सार्थकप्रयत्नः अस्ति ।  
 अस्याः पत्रिकायाः माध्यमेन छात्राः संस्कृते लेखं, काव्यं वा अन्यं किमपि विधां वा लिखितुं प्रोत्साहिताः भवन्ति ।  
 यस्य फलस्वरूपं छात्राणां अस्याः भाषायाः विषये रुचिः क्रमेण वर्धिता अस्ति तथा च तेषां प्रतिभायाः अपि उन्नतः अभवत् ।  
 अस्माकं एषः प्रयासः निकटभविष्यत्काले सर्वेषां छात्राणां कृते फलप्रदः सिद्धः भवेत् इति अस्माकं प्रयासः भविष्यति ।

धन्यवादम्  
 सन्तोष रानी, संस्कृत शिक्षिका

## 1. पर्यावरणम्

अस्मान्परितः यानि पञ्चमहाभूतानि सन्ति तेषां समवायः एव परिसरः अथवा पर्यावरणम् इति पदेन व्यवह्रियते ।  
 इत्युक्तमनुष्यो यत्र निवसति, यत् खादति, यत् वस्त्रं धारयति, यज्जलं पिबति यस्य पवनस्य सेवनं करोति, तत्सर्वं पर्यावरणम् इति शब्देनाभिधीयते ।  
 अधुना पर्यावरणस्य समस्या न केवलं भारतस्य अपितु समस्त विश्वस्य समस्या वर्तते ।  
 यज्जलं यश्च वायुः अद्य उपलभ्यते, तत्सर्वं मलिनं दूषितं च दृश्यते

गुरलीन कौरकक्षा - एकादश

## 2. धन्यवाद भारतवर्षम्

धन्यवाद भारतवर्षं धन्यवाद ।  
 पुण्यं भारतवर्षं पुण्यम् ॥  
 मस्तसंस्कृतिः तोषदायिनी,  
 पापनाशिनी पुण्यवाहिनी ।  
 यत्र पुण्यदागङ्गायाति,  
 सिन्धु-नर्मदासदाविभाति ।  
 सरस्वती च धन्यवाद्भ्या,  
 व्याकृष्णामान्या ।  
 श्रुणुमो यत्र च वेदं पुण्यम् ॥  
 धन्यवाद भारतवर्षं धन्यवादम्,  
 पुण्यं भारतवर्षं पुण्यम् ॥

नव्या, कक्षा-सप्तमी

## 3. प्रदूषणम्

भारतस्य एकाभयावहासमस्या अस्ति ह्यप्रदूषणम् । प्रदूषणनिवारणाय वृक्षारोपणम् अत्यावश्यकमस्ति ।

प्राचीनकाले, पुराणेषु अपिवृक्षाणां महत्त्वप्रतिपादितम् । यः पञ्चानाम्नाम्रवृक्षाणां आरोपणं करोति स कदापिनरकं न गच्छति इति कथ्यते ।

पुराणे एतदेव कथितं ह्यपंचाम्रवापीनरकं न याति इति ।

वृक्षाः अस्माकं कृते किं करोति एतत् अस्मिन्सु भाषिते कथितम्

धत्ते धारं कुसुमपत्रफलावलीनां धर्मव्यथा वहति शीतभवां रुजं च ।

यो सर्वमर्पयति चान्यसुखस्य हेतोः, तस्मै वदान्यगुरवे तरवेन मोऽस्तु ।।

वृक्षाः स्वयं कुसुमपत्रफलानां भारं वहन्ति, तथा सर्वान्येभ्यः गच्छन्ति ।

स्वयम् आतपेतिष्ठन्ति, अन्यस्य छायां कुर्वन्ति । वृक्षाणां मूलं, वल्कलं, पत्रं, पुष्पं, फलं सर्वमेव परेभ्यः अस्ति ।

एतादृशाः परोपकारिणः वृक्षाः जनेभ्यः किमपि न वाङ्मन्ति । किन्तु आधुनिके युगे जनाः स्वार्थिनः अभवन् ।

स्वसुखाय, गृहनिर्माणाय ते वृक्षांश्चिन्दन्ति । ते किं न जानन्ति, यत् वृक्षाः सृष्टेः आधाराः सन्ति । वृक्षाभावे सृष्टिः असंभवा खलु ।

वृक्षाः जनानां शरीरस्वास्थ्याय अपि सन्ति । ते कार्बनडाया ऑक्साइड वायुं गृह्णन्ति, ऑक्सीजनवायुं च विसृजन्ति ।

नूनम् एषां जीवनसंयत्नप्राणिभ्यः उपयोगिनमस्ति । येभ्यः अर्थिनः कदापि निराशं न यान्ति । यात्रां कुर्वन्तः नराः यदा श्रान्ताः भवन्ति,

तदा मार्गस्थितानां वृक्षाणां छायायां विश्रामं कुर्वन्ति । एवं परोपकारिणां वृक्षाणां छेदनं कदापि न कर्तव्यम् ।

प्राचीनकाले तु वृक्षभेदनं दण्डनीयः अपराधः मन्यते । अस्माकं संस्कृत्यां वृक्षभेदनं पापमन्यते ।

अतः प्रत्येकनागरिकस्य एतत्कर्तव्यं अस्ति यत्तेन वृक्षारोपणम् अवश्यं कर्तव्यम् । अधुना विद्यालयेषु अपि वृक्षारोपणक्रियते ।

शासनः अपि अस्यां दिशायां प्रयासं करोति । अनेके नेतारः वृक्षारोपणं कुर्वन्ति । यदि वृक्षारोपणस्य कार्यं निरन्तरं भवेत् ।

तर्हि प्रदूषणस्य समस्यायाः समाधानं भवेत् ।

कोमलप्रीतकौर, कक्षानवमी

## 4. संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

संस्कृतभाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति ।

प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म ।

कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयभाषाः प्रचलिताः अभवन्,

किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वमद्यापि अक्षुण्णं वर्तते ।

सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति ।

संस्कृतभाषा भारतस्य एकतायाः आधारः अस्ति । संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपमद्यापि प्राप्यते,

तदेव अद्यतः सहस्रवर्षपूर्वमपि आसीत् । संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिकमस्ति ।

अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति । आचार्य- दण्डिना सम्यगेवोक्तम् -

भाषासु मुख्यामधुरादिव्यागीर्वाणभारती ।

अधुनाऽपि सङ्गणकस्य कृते संस्कृतभाषा अतिउपयुक्ता अस्ति ।

संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति । राष्ट्रस्य ऐक्यं च साधयति ।

भारतीयगौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारः सर्वैरेव कर्तव्यः । अतएव उच्यते - ह्यसंस्कृतिः संस्कृताश्रिता ।

नाम पवनजीत, कक्षा-सप्तमी

## 5. जय वृक्ष !

जयवृक्ष! जयवृक्ष

श्रूयतामसवेर्वृक्षपुराणम्,

क्रियतामन्थावृक्षारोपणम् ।

वृक्षस्यास्ति सुन्दरम्यातिमूलं बहुदूरम् ।।

मूलेपीअन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,

काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम् ।

पणेषु भवति हरितद्रव्यम्,

अतो हि अस्ति रेपर्णहरितम् ।।

पुष्पमुन्दरम्, अतीवमोहकम्,  
पुष्पमस्तस्य भवतिरेदेवपूजार्थम् ।  
फलम्रसमयं, तस्यफलंस्वादपूर्णम्,  
फलमिह अस्तिरेखगस्य अन्नम....

प्रियंका साऊ, कक्षा-अष्टमी

## 6. पिपीलिका (चींटी)

कियतीतन्वी (कितनीपतली)  
कियतीसरला (कितनीसीधी)  
कियतीलघ्वी (कितनीहल्की)  
कियद्-दुर्बला (कितनीदुबली)  
कियतीह्रस्वा (कितनीछोटी)  
सापिपीलिका । (वहचीटीहे ।)  
किन्तुसर्वदा (लेकिनहरदम)  
श्रमविधत्ते (मेहनतकरती)  
दूरदूरंगच्छति (दूरदूरतकजाती)  
चलति सर्वदा (हरदमचलती)  
सततंधावति (सदादौड़ती)  
देश-देशतः (जगहजगहसे)  
खाद्य-वस्तु आनयते (खानेकासामानलेआती)  
बिलेनिधत्ते (बिलमेरखती)  
समयेसमयेखादति (समयसमयपरखाती ।)  
सुखिताजीवति । (सुखसेजीती ।)  
कियत्तुत्तमम् (कितनाउत्तम)  
कियत्त्रिर्मलम् (कितनानिर्मल)  
कियत्सुन्दरम् (कितनासुन्दर)  
कियत्त्रिर्भरम् (कितनानिर्भर)  
इदंजीवनम् । (यहजीवनहै)  
अस्मिन्क्षुद्र-शरीरे (इसछोटेसेतनमें)  
कियत्साहसम् (कितनासाहस)

प्रियंका साऊ, कक्षा-अष्टमी

## 7. सुभाषितानि

परोक्षेकार्यहन्तारंप्रत्यक्षेप्रियवादिनम् ।  
वर्जयेत्तादृशमित्रविषकुम्भंपयोमुखम् ॥1॥

अपूर्वःकोऽपिकोशोऽयंविद्यतेतवभारति ।  
व्ययतोवृद्धिमायातिक्षयमायातिसञ्जयात ॥2॥

विनावेदविनागीतां, विनारामायणीकथाम् ।  
विनाकविकालिदासं, भारतंभारतं न हि ॥3॥

उदयेसविताताम्रस्ताम्रएवास्तमेति च ।  
सम्पत्तौ च विपत्तौ च, महतामेकरूपता ॥4॥

उमेश कुमार, कक्षा-अष्टमी

## 8. अमृतमहोत्सवः

२०२१ तमस्यवर्षस्यमार्चमासस्य १२ दिनाङ्केगुजरातराज्यस्यअहमदाबादनगरस्यसाबरमतीश्रमात्पदयात्रायाः (स्वतन्त्रतामार्चस्य)ध्वजःकृतः । अस्मिन्कालखण्डेस्वातन्त्र्यस्य ७५ तमेवर्षेसमर्पिते ह्यस्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवह्य कार्यक्रमस्यउद्घाटनंकृतम् । स्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवः

२०२२ तमस्यवर्षस्यअगस्तमासस्य १५ दिनाङ्कात् ७५ समाहपूर्वआरब्धःअस्ति, सः २०२३ तमस्यवर्षस्यअगस्तमासस्य १५ दिनाङ्कपर्यन्तंभविष्यति ।स्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवस्यप्रयोजनम्-

महाकवितुलसीदासजीकथयति यत् ह्यपराधीनसपनेहंसुखनहिह्य इन्न अस्यउद्धरणस्यअर्थःअस्ति यत्आश्रितःव्यक्तिःकदापिसुखस्यअनुभवं न कर्तुंशक्नोति । आश्रितानांआश्रितानां च कृतेसुखंभवति । आश्रितःएकप्रकारःशापः । अद्यत्वेदेशःपूर्णतयास्वतन्त्रःअस्तिचेदपिअस्माभिःअस्याःस्वतन्त्रतायाःअतीवमहत्मूल्यंदत्तम् । प्रथमस्वतन्त्रतासंग्रामस्यरक्षितक्रान्त्या, भगतसिंहस्यबलिदानेन, सुभाषचन्द्रबोसस्यत्यागैः, महात्मागान्धी-आन्दोलनेन, एतादृशैःअसंख्य-वीरैः च परिपूर्णःअस्ति । स्वातन्त्र्यसेनानीनांएतैःकथाभिःदेशवासिनांप्रेरणादानायस्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवःआचर्यते ।

## अमृत - महोत्सवस्यमहत्त्वम् -

अद्यप्रत्येकस्यभारतीयस्यहृदयेउत्सवःअस्ति यतःवयं ह्यस्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवम्ह्य आचरन्तःस्मः । महास्वातन्त्र्यसेनानीबालगंगाधरतिलकजीइत्यनेनउक्तंआसीत् यत् ह्यस्वतन्त्रताअस्माकंजन्माधिकारःअस्ति ।ह्य तस्यजीवनात्प्रेरणाग्रहीतव्या । भारतस्यस्वतन्त्रीकरणेएतावन्तःदलिताः, आदिवासिनः, महिलाः, युवकाः च देशस्यप्रत्येककोणात्आसन्, येभारतस्यस्वतन्त्रीकरणेअसंख्ययातनाःअसहन् । भक्ति-आन्दोलनस्यमाध्यमेनदेशस्यकोणेकोणे च स्वतन्त्रता-आन्दोलनस्यएतस्यप्रकाशस्यनिरन्तर-जागरणेअस्माकंसाधकःमहन्ताः च भूमिकांनिर्वहन्तिस्म । अयंउत्सवःएतैःअकथितैःस्वातन्त्र्यकथैःसहदेशवासिनःपुनःसंयोजयिष्यति । गान्धीजीयदादण्डीनगरंगत्वालवणस्यनियमंभङ्गकृतवान्तदालवणंआसीत् - भारतस्यआत्मनिर्भरतायाःप्रतीकम् ।

एकविंशतितमशतकस्यभारतंस्वावलम्बनस्यदिशिपदानिगृह्णाति । भारतस्यउपलब्धीनांसमस्तविश्वंपश्यति ।

वयंभारतीयाःदेशेवाविदेशेवानिवसन्तःअस्माकंपरिश्रमेणस्वसिद्धकृतवन्तः । अस्माकंसंविधानस्य, अस्माकंसंस्कृत्याः विषयेवयंगर्विताःस्मः । भारतंलोकतन्त्रस्यजननीअस्तिअद्यत्वेअपिलोकतन्त्रसुदृढकृत्वाअग्रेगच्छति । आत्मनिर्भरतापूर्णाअस्माकंविकासयात्रासमग्रविश्वस्यविकासयात्रायाःत्वरिततांकात्गुंगच्छति । कोरोना-कालेसर्वविश्वस्यसम्मुखेअपिप्रत्यक्षतयासिद्धजातंयत्स्वावलम्बीभारतंटीकानिर्माणेअपिपश्चात् न गतः । भारतेन न केवलंविश्वस्यअनेकदेशानांजनानांस्वास्थ्यरक्षणायथाशक्तिप्रयत्नःकृतःअपितुकोरोना-टीकाअपिउपलभ्यते । अस्माकंदेशःआत्मनिर्भरतांप्रतिगच्छन्वस्यइतिहासस्यगौरवंरक्षितुंप्रयतते ।

वयंसर्वेसौभाग्यशालिनःयत्स्वतन्त्रभारतस्य ७५ वर्षाणांऐतिहासिककालस्यसाक्षिणःस्मः । यस्मिन्भारतंप्रगतेःनूतनानिऊर्ध्वतानिस्पृशति ।

अद्यतनस्यभारतस्यनामविश्वेअग्रपङ्क्तौलिखितम्अस्ति ।

उपसंहार-

स्वातन्त्र्यस्यअमृतमहोत्सवस्यउत्सवंकुर्वन्तःअस्माभिःतान्देशभक्तान्स्मर्तव्याःयेस्वसर्वसुखंत्वाआङ्ग्लेभ्यःलोहंगृहीतवन्तःकेवलंतदर्थंयत्अन्येदेशवासिनः, भावीभारतीयाः च सुखेन, सम्मानेन च जीवितुंशक्नुवन्ति ।

जसनाम कौर, कक्षा-नवमी

## 9. सुभाषितम्

नास्तिविद्यासमंचक्षु  
नास्तिसत्यसमंतपः ।  
नास्तिरागसमंदुःखं  
नास्तित्यागसमंसुःखं ।।

अर्थात्-

विद्याकेसमानआँखनहींहै, सत्यकेसमानतपस्यानहींहै,  
आसक्तिकेसमानदुःखनहींहैऔरत्यागकेसमानसुखनहींहै ।

संजना, कक्षा-नवमी

## 10. कालस्य महत्त्वं

कालः सर्वकर्मसुप्रधानः अस्ति । नैव च कालो धनं नाशयति, न धनं बद्धायति,  
किन्तु कालः जीवनं निर्मित्ति । न तु चान्यदपि कालस्य शक्तिः विद्यते । सर्वशक्तिमत्त्वात्कालस्य,  
तस्मात्कालमनुतिष्ठेत्, लक्ष्मीं गृह्णाति, सफलं भवति । कालस्य अनुपलब्धिं नैव कुर्यात्,  
क्वचित्ताम्यति । एवं व्यर्थं न गुणं कुर्यात्, वर्तमाने काले व्यर्थं गुणं कुर्यात् त्विपरीतं भवति ।  
अस्तु विद्वद्गणाः कथयन्ति कालस्य महत्त्वविद्यायां, कायेषु च समर्थतां ददाति कालः ।  
कालः अवश्यं परिणामिनिवर्तते, अतः समयमानं च कालं न स्वीकुर्वन्ति विदुषः । कालस्य उपेक्षणं न  
कर्तव्यं, अतिरिक्तं न कार्यं, अपि च अन्तरं न कुर्यात् । कालस्य प्रभावेन परिपूर्णं जीवनं भवति ।  
कालः धर्माधमार्णां च नियन्ता, लोकस्य निमाता, जगतः पालकः भवति ।  
कालस्य अभावे धर्माधमार्णां नाशः भवति, लोकस्य निर्माणं न भवति, जगतः प्रलयः समाधानं न  
प्राप्नोति । अतः कालस्य उपेक्षणं न कर्तव्यं, अपि च अन्तरं न कुर्यात् ।

सार्थकशर्मा, कक्षानवमी

## 11. पुनः प्रयोगः

पुनः प्रयोगः अस्ति...  
बुभुक्षितः पशुः, २.  
कचरान्खादन्, २.  
ततः नूतनानि वस्तूनि शूकयित्वा ।  
पुरातनं पुटयन्नेस्थापयति  
तथा च तस्य परिवर्तनं किञ्चिन्नूतनं पश्यन् ।  
पुनः प्रयोगः अस्ति... सोडा-कण्टकस्य नवीकरणं,  
एकं पुटम्  
वृत्तपत्राणां राशौ ।  
अद्यतनं कचरान्भग्नं कृत्वा तत्परिणामयित्वा  
श्वः बहुमूल्यं सम्पत्तिः ।  
विलुप्तप्रायपशूनां चित्राणि पश्यति  
त्वं च सम्यक्कार्यं कृतवान् इति ज्ञात्वा ।  
पुनः प्रयोगः अपशिष्टनिष्कासनस्य भविष्यम् अस्ति ।

हार्दिक सेनी, कक्षा-अष्टमी

## 12. जलस्य महत्त्वम्

जलम् एव जीवनम् । पृथिव्यां ७०% जलम् अस्ति ।  
जलेन एव सर्वजीवानां जीवनं सम्भवति ।  
संस्कृते जलस्य बहुनिपर्यायपदानि सन्ति । यथा - उदकं, नीरं, वारितथा च तोयम् ।  
वयं शुद्धं जलम् केवलं वर्षार्याः विन्दामः । एतत्जलम् नदीषु, तडागेषु, सरोवरेषु च एकत्रितं भवति ।  
एतत्जलम् अस्माकं क्षेत्राणि उद्यानानि च सिञ्चति । नदीनां जले जलजीवाः जीवन्ति ।  
नदीनां तीरेषु नौकानि नगराणि च वर्तन्ते ।

खुशप्रीत कोर, कक्षा - सप्तमी

## 13. गीताज्ञानम्

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत । अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।

कार्यतेह्यवशः कर्मसर्वः विद्याविनयसंपन्ने ब्राह्मणो गविहस्तिनि ।  
शुनिचैवश्वपाके च पंडिताः समदर्शिनः ॥

अक्षरं ब्रह्म परमं स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते ।  
भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसंज्ञित ॥

मानया, कक्षा-नवमी

#### 14. कालिदासः

कविशिरोमणिः कविकुलगुरुः कालिदासः कविश्रेष्ठः इति उच्यते ।  
कालिदासः प्राचीनकालिकः राष्ट्रकविः उच्यते । कालिदासस्य जन्मस्थानं कश्मीरः  
वावङ्गभूमिवाराजस्थानं वा उज्जयिनीवेतिनिश्चितं न शक्यते । न  
चास्य महानुभावस्य जीवनकालविषये कश्चिद्दिनर्णयः ।  
महाराजविक्रमादित्यस्य राजसभायां अयं प्रतिष्ठितो विद्वान्द्वितिसर्वैः स्वीक्रियते ।  
तस्य काव्यरसनिपीयनिपीयजनानाम् हृदयमृत्येन आन्दोलितमद्भवति ।  
तत्तुल्यः कोऽपि कविः नासीत् । अतः केनचित्कविना उक्तम्  
पुराकवीनाम् गणनाप्रसंगे  
कनिष्ठिकाधिष्ठितकालिदासा ।  
अद्यापि तत्तुल्यकवेरभावात् ॥

सानिया शर्मा, कक्षा-नवमी

#### 15. वृक्षः

अहं मन्येयत् अहं कदापि न पश्यामि  
वृक्षवत् मनोहरं काव्यम् ।  
वृक्षः यस्य क्षुधातं मुग्धं परस्तम्  
मधुरस्य पृथिव्याः प्रवाहितस्तनस्य विरुद्धं ;  
यः वृक्षः सर्वदिवसं ईश्वरं पश्यति,  
प्रार्थयितुं च पत्रबाहून् उत्थापयति ;  
यः वृक्षः ग्रीष्मकाले धारयितुं शक्नोति  
तस्याः केशेषु रोवि-नीडः ;  
यस्य वृक्षः स्थले हिमः शयितः ;  
यः वृष्ट्या सह आत्मीयतया जीवति ।  
काव्यानिममसदृशैः मूर्खैः निर्मिताः । ।

हार्दिक सैनी (संकलित), कक्षा अष्टमी

#### 16. हिमालयः

अस्त्युत्तरस्यादिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः ।  
पूर्वापरौ तोयनिधीवगाहः स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः ॥

अनन्तरत्नप्रभवस्य यस्य हिमं न सौभाग्यविलोपि जातम्  
एकोहिदोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः ॥

आमेखलं सञ्चरतां घनानां छाया मधः सानुगतानिषेव्य ।  
उद्वजिता वृष्टिभिराश्रयन्ते शृङ्गाण्यस्यातपवन्ति सिद्धाः ॥

कपालकण्डूः करिभिर्विनेतुं विघटितानां सरलद्रुमाणाम् ।

यत्रस्रुतक्षीरतयाप्रसूतःसानूनिगन्धःसुरभीकरोति ॥

दिवाकराद्रक्षतियागुहासुलीनदिवाभीतमिवान्धकारम्।  
क्षुद्रेऽपिनूनंशरणंप्रपन्नेममत्वमुच्चैःशिरसासतीव ॥

महक

## 17. प्रकृति

प्रकृतिः मातासवेषाम्  
बहुनाम्अपिफलानाम्  
बहुनाम्अस्तिवृक्षानाम्  
पुष्पानाम्चापिमातेयम्।  
भ्रमराणां, पशुनां,  
पक्षीणां च मानास्ति  
जनेभ्यः जीवनंसदा  
ददातिप्रकृतिः माता॥  
अस्तिसानुमनोहरी  
मानवाणाम्अपिमानास्ति  
प्रकृतिः मातासवेषाम्  
नमोस्तुतेमात्रेप्रकृतये॥॥

सिमरबीर कौर, कक्षा-नवमी

## 18. जलरक्षतु

लीकः नलः दिवारात्रौस्रवति।  
केवलंसम्यक्समाधातुवाकठिनतयानिरुद्धंकुरुत,  
जलयुक्तापृथिवीप्रचुराइवदृश्यते  
परन्तुमन्यतेयत्प्रत्येकंबिन्दुः एववास्तवतः गण्यते।  
नलः प्रज्वलितः अस्ति, त्वदन्तधावनं करोषि,  
जलंप्रवहति, त्वंपादौसाबुनं करोषि  
केवलंसर्वजलंनष्टंचिन्तयतु !!!  
नल्पिधातुकिंमूल्यंभवति ?  
यत्जलपुटंभवन्तः विद्यालयंनयन्ति,  
तस्मिन्जलंसुन्दरंशीतलं च,  
त्वंकिञ्चित्पिबसि, शेषंत्वंक्षिपसि,  
जलंवनस्पतिवृद्धौसाहाय्यंकर्तुंशक्नोतिस्म ।  
अतः, जलरक्षतु, .  
स्वभागं च कुरु, .  
न तुक्रीडा, .  
जलंस्थास्यतु !!!

हार्दिक सेनी, कक्षा-अष्टमी



## 1. ਗਿਆਨ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ

ਪਾਣੀ ਤੋਂ ਪਤਲਾ ਕੀ ਹੈ - ਗਿਆਨ  
ਧਰਤੀ ਤੋਂ ਭਾਰਾ ਕੀ ਹੈ - ਪਾਪ  
ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਤੱਤਾ ਕੀ ਹੈ - ਕ੍ਰੋਧ  
ਸੂਰਮੇ ਤੋਂ ਕਾਲਾ ਕੀ ਹੈ - ਕਲੰਕ  
ਹਵਾ ਤੋਂ ਤੇਜ਼ ਕੀ ਹੈ - ਮਨ  
ਸੂਰਜ ਤੋਂ ਵੱਧ ਚਮਕੀਲਾ ਕੀ ਹੈ - ਸੱਚ  
ਮੌਤ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਦੁੱਖ ਕੀ ਹੈ - ਵਿਛੋੜਾ

ਜਸਨਾਮ ਕੌਰ, ਜਮਾਤ - 9

## 2. ਕਵਿਤਾ ਮਾਂ

ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ  
ਠੰਡੜੀ ਛਾਂ ਹੈ  
ਮਿੱਠੜੀ ਛਾਂ ਹੈ  
ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ ।

1. ਥੱਕ ਟੁੱਟ ਕੇ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਬਹਿੰਦੇ,  
ਕੁਝ ਕੰਮ ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ,  
ਬਣ-ਬਣ ਰਾਜੇ ਮਜ਼ੇ ਹਾਂ ਲੈਂਦੇ,  
ਤੂੰ ਵੀ ਬਹਿ ਜਾ ਕਦੇ ਨਾ ਕਹਿੰਦੇ,  
ਮਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਕਦੇ ਵੀ ਨਾ ਹੈ,  
ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ ਠੰਡੜੀ ਛਾਂ ਹੈ ।
2. ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਬੂਟੇ ਤਾਂ ਫੁੱਲ ਟੁੱਟਣ ਤੇ  
ਖੜੇ ਨੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਰੇ ਨੇ ਰਹਿੰਦੇ  
ਪਰ ਜਦ ਇਸ ਦੇ ਫੁੱਲ ਕੁਮਲਾਵਣ  
ਇਹ ਕੁਮਲਾਵੇ ਇਹ ਟੁੱਟ ਜਾਵੇ  
ਇਸ ਨੂੰ ਦਿੰਦੇ ਰੱਬ ਦਾ ਨਾਂ ਹੈ  
ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ ਠੰਡੜੀ ਛਾਂ ਹੈ  
ਮਿੱਠੜੀ ਛਾਂ ਹੈ ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ  
ਮਾਂ ਤਾਂ ਮਾਂ ਹੈ ।।।।।

ਸੂਰਜ ਕੁਮਾਰ, ਸੰਗੀਤ ਅਧਿਆਪਕ

## 3. ਬੁੱਝੇ ਤਾਂ ਜਾਣਾ

1. ਓਲ੍ਹਣੀ ਮੋਲ੍ਹਣੀ ਸਾਰਾ ਪਿੰਡ ਫੇਰ ਕੇ ਬੂਹੇ ਅੱਗੇ ਖੋਲ੍ਹ ਨੀਂ  
ਉੱਤਰ: ਜੁੱਤੀ
2. ਲੰਮਾ ਝੰਮਾਂ ਆਦਮੀ ਉਹਦੇ ਗਿੱਟੇ ਦਾੜ੍ਹੀ  
ਉੱਤਰ: ਗੰਨਾ
3. ਲੰਮਾ ਝੰਮਾਂ ਆਦਮੀ ਉਹਦੇ ਪਰਛਾਵਾਂ ਹੈ ਨੀ  
ਉੱਤਰ: ਰਾਹ

4. ਅੱਠ ਹੱਡੀਆਂ ਬੱਬਾ ਆਂਦਰਾਂ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮੇਰੀ ਬਾਤ ਨਾ ਬੁੱਝੂ ਉਹ ਪੁੱਤ ਬਾਂਦਰਾਂ ਦਾ

ਉੱਤਰ: ਮੰਜੀ

5. ਨਿੱਕੀ ਨਿੱਕੀ ਜਿਹੀ ਕਿਆਰੀ ਉਹਦੇ ਵਿੱਚ ਲੰਮੇ ਤੇ ਨਿੱਕੇ ਨਿੱਕੇ ਬੀਜ

ਉੱਤਰ: ਡੱਬੀ ਤੀਲਾਂ ਵਾਲੀ

ਨਵਦੀਪ ਸਿੰਘ, ਜਮਾਤ : ਨੌਵੀਂ

#### 4.

ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਹੈ ਹੋਣਾ ਪਾਸ ਨਰਲ ਵਿਚ ਨਾ ਕੋਈ ਵਿਸ਼ਵਾਸ। ਆਧਿਆਪਕ ਨੇ ਜਦੋਂ ਸਬਦ ਪੜ੍ਹਾਇਆ, ਉਸ ਵੱਲ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਲਗਾਇਆ, ਲਿਖਣ ਦਾ ਵੀ ਪੂਰਾ ਅਤਿਆਸ, ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਹੈ ਹੋਣਾ ਪਾਸ। ਆਵਣਗੇ ਜਦ ਨੰਬਰ ਚੰਗੇ, ਇਨਾਮ ਮਿਲਣਗੇ ਰੰਗ-ਬਰੰਗੇ, ਹੋਵੇਗੀ ਹਰ ਪੂਰੀ ਆਸ, ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਹੈ ਹੋਣਾ ਪਾਸ। ਹੋ ਕੇ ਪਾਸ ਜਮਾਤੇ ਚੜ੍ਹਨਾ, ਚਾਈਂ - ਚਾਈਂ ਅੱਗੇ ਪੜ੍ਹਨਾ, ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਬਣਨਾ ਬੰਦੇ ਖਾਸ, ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਹੈ ਹੋਣਾ ਪਾਸ। ਚੋਹਲੇਂ ਵਾਲਾ ਬੱਗਾ ਕਹਿੰਦੇ, ਮਿਹਨਤ ਦਾ ਮੁੱਲ ਹਰ ਥਾ ਪੈਂਦਾ, ਵਿਗੜੇ ਕਾਰਜ ਆਉਂਦੇ ਰਾਸ , ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਹੈ ਹੋਣਾ ਪਾਸ। ਨਾਮ : ਸੁਣੈਨਾ ਜਮਾਤ :

## FROM THE EDITOR...

Knowledge is a great treasure, and we need to make daunting and untiring efforts to explore it. Even in ancient times, sages would go for rigorous penance in the far-off places of the Himalaya. The journey for knowledge never comes to a halt; rather, people keep on searching and finding new ways. That's the beauty of knowledge. It's true that we can't get wisdom from knowledge. As it is rightly said, **“The beginning of knowledge is the discovery of something we do not understand.”** Frank Herbert

Kendriya Vidyalaya DBN Shikar (BSF), Gurdaspur (Punjab), extends warm greetings to all readers of our school magazine. The year 2022–23 was an era of acceptance of the new normal and recalibration of expectations from a world formed anew.

This issue of 'School Partika' shows you a glimpse of the monumental strides that our school has taken and presents a beautiful mosaic of student activities and achievements. Students have showcased their numerous creative abilities, be it poetry, painting, or different fields of life. It brings forth many informative, interesting, and creative write-ups. It's a lively expression of the children's expedition from the unplumbed to the ascertained.

Without much ado, we give you 'Partika 2023' with a beautiful message of hope.

**“You may not always have a comfortable life, and you will not always be able to solve all of the world's problems at once, but don't ever underestimate the importance you can have because history has shown us that courage can be contagious and hope can take on a life of its own.”** Michelle Obama  
I wish good luck and a bright future to all budding writers!

## Relevance of English Language For School Children

English is considered the global language and is widely used for communication in various fields. For school students, learning English is an essential skill that opens up a world of opportunities. The following points will highlight the importance of English language for school students.

### ► **Widens Career Opportunities**

The ability to communicate effectively in English can open up a wide range of career opportunities for school students. Many multinational companies require their employees to have a good command of English, and being proficient in the language can give students an edge in the job market.

### ► **Enables Access to Knowledge and Information**

English is the language of science, technology, and international business. Students who can read and understand English can access a vast amount of information and knowledge from around the world, including academic research, news articles, and other resources.

### ► **Facilitates International Travel**

English is spoken in many countries around the world, and being able to communicate in English can make international travel easier and more enjoyable for school students. It enables them to interact with people from different cultures and backgrounds, navigate unfamiliar places, and make the most of their travel experiences.

### ► **Improves Cognitive Development**

Learning a new language can have a positive impact on cognitive development, including improving memory, problem-solving skills, and multitasking abilities. It can also help students develop a greater understanding and appreciation of other cultures and perspectives.

▶ **Enhances Communication Skills**

Learning English can enhance communication skills for school students. Being able to express themselves effectively in English can help students build self-confidence, improve public speaking skills, and foster better relationships with others.

▶ **Provides Access to Higher Education**

English is the primary language of instruction in many universities around the world. Students who are proficient in English have access to a wider range of higher education opportunities and can pursue their academic goals in prestigious institutions around the world.

▶ In conclusion, learning English is essential for school students, as it widens career opportunities, enables access to knowledge and information, facilitates international travel, improves cognitive development, enhances communication skills, and provides access to higher education. By investing in English language education, school students can acquire the necessary skills to succeed in a globalized world.

Kalyan Singh

PGT(ENG)

## **Importance of Basic Financial Literacy**

Financial literacy is a crucial skill that enables individuals to make informed decisions about their finances. Basic financial literacy, in particular, is essential for everyone, regardless of their income, age, or profession. In this article, we will discuss the importance of basic financial literacy and how it can benefit individuals in their daily lives.

▶ **What is Basic Financial Literacy?**

Basic financial literacy refers to the knowledge and skills required to manage personal finances effectively. It includes understanding concepts such as budgeting, saving, investing, debt management, and insurance. Basic financial literacy also involves the ability to read financial statements, understand financial terminology, and make informed financial decisions.

▶ **Why is Basic Financial Literacy Important?**

**Helps in Managing Finances:** Basic financial literacy helps individuals manage their finances effectively. It enables them to create and follow a budget, track their spending, and save for future expenses. With basic financial literacy, individuals can make informed decisions about their money, and avoid financial pitfalls such as debt and overspending.

▶ **Improves Credit Score:**

Basic financial literacy also helps individuals maintain a good credit score. By understanding how credit works, individuals can take steps to improve their credit score, such as paying bills on time, keeping credit utilization low, and checking their credit report regularly.

▶ **Enables Investing:**

Basic financial literacy also enables individuals to make informed decisions about investing. By understanding different investment options, risks involved, and potential returns, individuals can choose investments that align with their financial goals and risk tolerance.

▶ **Helps in Planning for Retirement:**

Basic financial literacy is essential for retirement planning. By understanding how retirement accounts such as 401(k)s and IRAs work, individuals can save for retirement and make informed decisions about when to retire.

▶ **Promotes Financial Security:**

Basic financial literacy promotes financial security. By understanding how to manage finances, individuals can avoid financial stress and achieve financial stability. They can also be better prepared for emergencies such as job loss or medical expenses.

▶ **Conclusion:**

Basic financial literacy is an essential life skill that enables individuals to manage their finances effectively, make informed financial decisions, and achieve financial stability. It is important for individuals of all ages and income levels to develop basic financial literacy skills to ensure they have a secure financial future. By investing in financial literacy education, individuals can improve their financial well-being and take control of their financial future.

Kalyan Singh, PGT(ENG)

## **MATHEMATICS FOR US**

**“What is Mathematics? It is only a systematic effort of solving puzzles posed by nature”**

**Shakuntala Devi**

The body of knowledge and practice known as mathematics is derived from the contributions of thinkers throughout the ages and across the globe. It gives us a way to understand patterns, to quantify relationships, and to predict the future. Mathematics helps us understand the world and we use the world to understand Mathematics. The world is interconnected. Everyday Mathematics shows these connections and possibilities. The earlier young learners can put these skills to practice, the more likely we will remain an innovation society and economy.

A study of geometry can explain the science behind architecture throughout the world. Statistics and probability can estimate death tolls from earthquakes, conflicts and other calamities around the world. It can also predict profits, how ideas spread, and how previously endangered animals might repopulate. Mathematics is a powerful tool for global understanding and communication. Using it, students can make sense of the world and solve complex and real problems that makes the math itself more applicable and meaningful for students. In Maths, this means reconsidering the typical content in a typical ways, and showing students how the world consists of situations, events and phenomena that can be sorted out using the right maths tools.

Maths is often studied as a pure science, but is typically applied to other disciplines, extending well beyond physics and engineering. For instance, studying exponential growth and decay (the rate at which things grow and die) within the context of population growth, the spread of disease, or water contamination, is meaningful. It not only gives students a real-world context in which to use the maths, but helps them understand global phenomena – they may hear about a disease spreading in India, but can't make the connection without understanding how fast something like COVID, cholera etc. can spread in a dense population. But many world events and phenomena are unpredictable and can only be described using statistical models, so a globally focused maths program needs to consider including statistics.

Understanding the world also means appreciating the contributions of other cultures. In algebra, students could benefit from studying numbers systems that are rooted in other cultures, such the Mayan and Babylonian systems, a base 20 and base 60 system, respectively. They gave us elements that still work in current math systems, such as the 360 degrees in a circle, and the division of the hour into 60 minute intervals, and including this type of content can help develop an appreciation for the contributions other cultures have made to our understanding of maths.

Students might study the different types of polygons that can be used to tessellate the plane (cover the

space without any holes or overlapping). Here, the content and the context contribute to an understanding of the other. If students are given the right content and context for a globally infused math curriculum, they'll be able to make global connections using maths, and create a maths model that reflects the complexity and interrelatedness of global situations and events. They'll be able to apply maths strategies to solve problems and develop and explain the use of a given maths concept in the global sense. And they'll be able to use the right math tools in the right situations, explain why a math model they chose is relevant. More importantly, students will be able to use data to draw defensible conclusions, and use mathematical knowledge and skills to make real-life impact.

V. S. Sharma, PGT (MATHEMATICS)

## RIGHTS OF CHILDREN

Children and young people have the same general human rights as adults and also specific rights that recognize their special needs. Children are neither the property of their parents nor are they helpless objects of charity. They are human beings and are the subject of their own rights.

*“The 1989 Convention on the Rights of the Child (CRC) defines a child as “any human being below the age of eighteen years.”*

The United Nations' 1989 Convention on the Rights of the Child, or CRC, is the first legally binding international instrument to incorporate the full range of human rights—civil, cultural, economic, political and social rights. The Convention on the Rights of the Child comprises four main pillars -

- **Right to Survival:**
  - ▶ Right to be born
  - ▶ Right to minimum standards of food, shelter and clothing
  - ▶ Right to live with dignity
  - ▶ Right to health care, to safe drinking water, nutritious food, a clean and safe environment, and information to help them stay healthy
- **Right to Protection:**
  - ▶ Right to be protected from all sorts of violence
  - ▶ Right to be protected from neglect
  - ▶ Right to be protected from physical and sexual abuse
  - ▶ Right to be protected from dangerous drugs
- **Right to Participation:**
  - ▶ Right to freedom of opinion
  - ▶ Right to freedom of expression
  - ▶ Right to freedom of association
  - ▶ Right to information
  - ▶ Right to participate in any decision making that involves him/her directly or indirectly
- **Right to Development:**
  - ▶ Right to education
  - ▶ Right to learn
  - ▶ Right to relax and play
  - ▶ Right to all forms of development – emotional, mental and physical

# CHILD HELPLINE NUMBER: 1098

V. S. Sharma, PGT (MATHEMATICS)

## गणितीयपद/ MATHEMATICAL TERMS

S.No.	Terms in English	हिंदी शब्दावली
1.	Arithmetic	अंकगणित
2.	Algebra	बीजगणित
3.	Trigonometry	त्रिकोणमिती
4.	Statistics	सांख्यिकी
5.	Geometry	रेखागणित
6.	Triangle	त्रिभुज
2.	Scalene Triangle	विषमबाहु त्रिभुज
7.	Isosceles Triangle	समद्विबाहु त्रिभुज
8.	Equilateral Triangle	समबाहु त्रिभुज
9.	Acute Angled Triangle	न्यूनकोणत्रिभुज
10.	Right Angled Triangle	समकोण त्रिभुज
11.	Obtuse Angled Triangle	अधिक कोणत्रिभुज
12.	Quadrilateral	चतुर्भुज
13.	Trapezium	समलंबचतुर्भुज
14.	Parallelogram	समानांतर चतुर्भुज
15.	Rectangle	आयत
16.	Rhombus	सम चतुर्भुज
17.	Square	वर्ग
18.	Circle	वृत्त
19.	Linear Equation	रेखीय समीकरण
20.	Ratio	अनुपात

विष्णु सागर शर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित)

## POSITIVITY IS THE KEY TO SUCCESS

Positive thinking is an attitude that pushes you to expect good and desired results. Power of positivity helps you in creating and transforming energy into reality. Positive mindset helps you to seek happiness, health and a happy ending regardless of the situation. Lots of successful people have recognized the positivity as the key to success. Power of positivity may change your life. Thus, in the tough situations, people ask you to think positive. Now you may have keenness to know what makes positivity a must for you to meet success!.



So, let's learn some benefits of positive thinking:

- It keeps stress at away
- Positivity helps you in exploring many possibilities. It keeps stress away from you.
- You live a happy and healthy life You can avoid many mental and physical diseases with the help of positivity.
- It can boost your confidence and Self-Esteem
- Half of the battle is own if you are confident of your abilities. Positive attitude promotes confidence. Confidence is must have to meet success.
- You can make good decisions
- Positivity allows you to think open-mindedly. It leads to good decision making. It leads you to success
- Positive thinking helps you in discovering your skills. It also keeps you motivated. All these things are essentials to achieve success.

I want to wind up my page with a note to my students -

**TIS A LESSON YOU SHOULD HEED  
TRY, TRY, TRY AGAIN.  
IF AT FIRST YOU DON'T SUCCEED  
TRY, TRY, TRY AGAIN.  
TILL AT LAST YOU DO SUCCEED.**

Ashrita Juhi Dhodrai, TGT (Eng)

## **NCF (Primary Education)**

The draft National Curriculum Framework (NCF), inspired by the new National Education Policy (NEP-2020) proposes the new structure of Indian education which used to be 10+2 will now run according to the 4 stages. The new structure will be 5+3+3+4. According to the new structure under the National Education Policy 2020, students will spend five years in the foundational stage which will comprise Kindergarten (Balvatika) to class 2, three years in the preparatory stage comprising classes 3 to 5.

### **Foundational Stage (Balvatika To Class 2)**

This is the basic stage which students will reach in class two covering pre-primary. The students will be taught manners, personal and public hygiene, and learning through play. There will be no assessment methods that burden the child. NCF has suggested that two important assessment methods for the foundational stage are observations of the child and analysing of artefacts that the child has produced as part of their learning experience.

### **Preparatory Stage (Classes 3 to 5)**

In this stage classes, 3 to 5 will be covered. Written tests will be introduced with a variety of assessment methods including portfolios and self-assessments. Assessment methods will be used to promote learning and portfolios will be used to track student progress. There will be a comprehensive summative assessment of the student's readiness to enter the next stage.

**Assessment:** The draft NCF proposes that explicit tests and exams are not suitable assessment tools for children in classes up to 2. It recommends introducing written tests only from class 3 onwards to avoid imposing additional burden on the child.

Priyanka, PRT



## Importance of Mathematics

Mathematics is a fascinating subject that has been a part of human history for thousands of years. From the ancient Egyptians who used math to build their pyramids to modern-day computer scientists who use math to design algorithms, this subject has had an enormous impact on the world we live in today.

One of the reasons why math is so important is because it is the language of science. Whether you are studying biology, physics, or engineering, you will need a solid understanding of math to make sense of the concepts and equations involved. Without math, we wouldn't be able to design rockets that can take us to the moon, or develop vaccines that can save lives.

But math is not just important for scientists and engineers. It is also an essential life skill that we all need to function in today's world. Whether you are calculating your budget, figuring out how much to tip at a restaurant, or measuring ingredients for a recipe, you are using math. In fact, we use math every day, often without even realizing it.

Mathematics is also a subject that teaches critical thinking and problem-solving skills. When you are faced with a challenging math problem, you need to use logic and creativity to come up with a solution. These skills can be applied to many areas of life, from navigating complex social situations to tackling business challenges.

Of course, not everyone finds math easy or enjoyable. Some people struggle with math and find it frustrating or intimidating. But the truth is, anyone can learn math with enough practice and patience. With the right approach, math can be a rewarding and even fun subject to study.

In conclusion, mathematics is an essential subject that has shaped our world in countless ways. It is the language of science, a crucial life skill, and a subject that teaches critical thinking and problem-solving skills. Whether you love math or find it challenging, there is no denying its importance in our lives.

Sunil Guleria, TGT-Maths

## It's Time to Channelize Youth Power

The inimitable Eric Hoffer once said, "Youth is a talent...a perishable talent." There is a power so uniquely inherent to the young that it is unmatched by anything else on this planet. When you're young and have talent, your dreams literally have wings. In fact, the youth — simply by virtue of its ambition and aspiration — can almost "will anything to reality."

In fact, when you think of the power of the youth, you actually need to visualize a great big energy source. In addition, like all energy sources, this power can either be used for...the good...the bad...or...even the ugly. Moreover, that's what led the famous American writer, F. Scott Fitzgerald to proclaim: 'Youth is a dream, a form of chemical madness.'

Of course, when you channelize this raw power, there is absolutely nothing that seems impossible to attain and achieve...and that is why India needs to channelize youth power if it wishes to become THE GLOBAL SUPERPOWER.

In fact, headlines across the world assert openly that India's secret weapon is its youth population. With 430 million young people in the age bracket of 15-34 year olds (as per 2011 census data), India has the world's largest youth population. Do you know what that means? It means that every third person in an Indian city is a youth. In fact, in a short span of seven years, the median person in India will be 29 years old and urban-based, making us the youngest country in the world. A Sobering thought, isn't it? Especially, if you think of the ramifications.

According to a report published by IRIS Knowledge Foundation in collaboration with UN-HABITAT,

“India is set to experience a dynamic transformation as the population burden of the past turns into a demographic dividend.”

In case, you're wondering how does that translate into huge sources of power for our country, think about this:- Economists believe that this great young population of ours — if channelized properly — has the potential to give the Indian economy an unprecedented edge over its global competitors by adding a significant 2 percentage points annually to the nation's per-capita GDP over the next few decades. Whoa!

Of course, in order to properly channelize and utilize our young population, we need to ensure that our young are not only educated, they need to be healthy and must have employable skills. Of course, if the budget announcement by ArunJaitley is any indication, this skill-set is all set to receive the much-needed impetus by the Indian Government. So far, so good!

Of course, if the economy is to grow at these unprecedented levels, the youth must endeavor to become an active participant in the mainstream economy. Of course, before you start wondering how you'll go about doing that – the answer is actually really simple... encapsulated in a small neoclassical economic model called “The Circular Flow of Money.”

In fact, all you actually need to do is...study well...get a job...start earning and start spending! Or in formal economic parlance, you all must become, both an income-earner and an earnest consumer, in order to infuse fresh energy into our growing economy so we can achieve the year-on-year 2% GDP growth. See – Earn & Spend – it's THAT SIMPLE!

Meenu Rawat, TGT(SSc)

### **Save Water, Save World**

Water is precious, don't let it go to waste,  
Save it for future generations to taste,  
Conservation is key, let's all do our part,  
To keep our planet healthy, from the start.  
Turn off the tap when you brush your teeth,  
Fix those leaks, don't let them seethe,  
Save water every day, every hour,  
Let's all work together, to give water power.

Samridhi Sharma, Class 5

## **IMPORTANTCE OF EDUCATION**

Education is the most important thing for human being. It is a continuous and life long process. It brings a great change in our life becomes prosperous and meaningful. It is the foundation of human developments. It is said that Education is the third eye of human beings Education teaches us to be polite so, Education makes the people polite and courteous to others. They are always helpful honest and hardworking. Education is that property which cannot be stolen we can take this property wherever they go Education teaches us to be civilization. They can they can understand the problem of other people education provides manpower like doctor, Mechanic, pilot, teachers etc. They can play as important role for the development of the country.

Uneducated people are burden for the country. An Educated person can solve any problem easily and efficiently he can easily find out what is good and what is bad He does not blindly accept or reject anything Education people can change the whole society. They are always involved in creative works Education teaches us not to be proud. Education is like a candle which make the dark place bright.

Sukhmanjot Kaur, Class 5

## SAVE ENVIRONMENT

Search a solution, to stop Pollution.

To stop pollution.

Make our environment,  
Healthy, clean and green.

Plant more trees,

To make Earth pollution free.

Let's make our earth the best,

By pollution less and less.

We cannot live without environment,

So, we should always.

Take care of environment,

Never pollute the environment.

So, we should always,

Save the environment

Varinderdeep Singh, Class 5

## EVERY CITIZEN

Every Citizen of India,

Must remember that he is an Indian

And he has every right in this country,

but with certain duties.

भारत का हर एक नागरिक,

याद रखना चाहिए की एक भारतीय है।

और इस देश में उनका पूरा अधिका है।

Aryan Mahajan, Class-2

## MY TREE

My tree and me

My tree is my friend

And there is the reason.

My tree may not talk,

But it tells me the season

My tree says it's winter

With limbs that are bare  
When its buds start to open,  
They spring's in the air

Deepak Singh, Class - 2nd

## **Thank You for Being My Teacher**

Thank you for being,  
my teacher and friend.  
A really big hug,  
I wish to extend.

Teaching is your talent,  
you know how to explain.  
You do so much,  
yet don't expect fame.

Thank you for all those,  
stories and tales.  
Capturing my interest,  
this never fails.

You provide me with info,  
about science and health.  
Help unlock my curiosity,  
which the key to my wealth.

Thank you for being approachable,  
and so easy to chat.  
You deserve an award,  
a bonus and pat.

Daksh Kumar, Class - 3rd

## **The best mom I am the world**

You make me feel loved,  
You always cheer me up.  
Sometime I get angry but still you are my butter, clep.  
You always keep me company with you.  
I am always happy  
You are always helping me  
You give me bravery  
Mom! you are the best mom in the world.

And I love you more than the world.

Manvir Singh, Class -3rd

## HOW BLESSED I AM!

Hello Everyone, Today, I would like to share my experience with you. The day when I realised how blessed I am. As usual my mom woke me up at 6am in the morning and forced me to brush my teeth. I took a shower, I put on my uniform and had my breakfast and my mom packed lunch box for me.

I was all set and started waiting for my school bus. My bus came and as usual I took my window seat and started thinking about my childhood. So many questions were there in my mind - Why do we have to get up so early, Just to go to school? Why does my mom force me to do my homework?

Suddenly, the bus stopped and I saw that I have reached my school. I entered in the class and met my friends. I like to be with them because even they think like me. My sir entered the classroom and started teaching us. We all were enjoying the way he was teaching. After that we all had our lunch, we played together during the break time, after that I continued with my classes and then I was feel like to going home because I wanted to watch my favourite cartoon show. The bell rang and yes!!!! Now it's time to go home. We all packed our bags and came out of the class. I ran towards my school bus to go home.

On my way to go home, I saw one girl (same age as me) I started looking at her, she was cute but was wearing torn clothes, she was lifting the bricks. Oh my GOD!! She was working as a labour. That means "no school for her, no uniform for her, no games for her" These all thoughts came to my mind.

Then suddenly I realised how blessed I am. My mom forces me to go to school every day because she wants to give me a good future. My dad forces me to do my homework because he wants to see me educated. My teachers teach me so well because they want me to have a bright future.

That day I thanked GOD for such a beautiful life...

That day onwards, my parents never forced me to do anything because I was doing everything happily by myself...

Thank you Mom and Dad, Thank you to all the teachers...

Aaina, Class-4

## Animals

Animals are part of nature. Birds die due to network pollution. Network pollution is part of pollution network pollution. It is not only harmful for birds but for human and animals. So, please avoid unnecessary use of cell phone. Save animals, Save Nature

Aniket Upadhyay, Class-4

## Way to Live

Trying to be happy  
When the day seems long,  
Trying to be happy,  
When everything goes wrong,

Trying hard to do,  
The very best you can,  
Trying to meet hinder,  
But to help your fellowmen  
Trying to look pleasant,  
Trying met to Prawn,  
Trying to refrain from,  
Letting loved ones down,  
Trying to be thoughtful,  
Letting loved ones down,  
Trying to be a good person,  
That's the way to live.

Avleen Kaur, Class 4th

## **AzadiKaAmritMahotsav**

1. Freedom is precious gift of our freedom fighters.
2. The 75th anniversary of India's independence will be celebrated as 'AzadiKaAmritMahotsav'.
3. It was started from 12th March 2021.
4. It was inaugurated by Prime Minister Shri Narendra Modi with a Flagged off.
5. It was started from Sabarmati Ashram, Ahmedabad.
6. It was started on the completion of 91 years of dandi March of Mahatma Gandhi Ji.
7. This festival aims create a vision for India in 2047.
8. The festival will run for 75 weeks.
9. It will end on 15 August 2023.
10. Various social and cultural Programs are organized during this Festival

Jasmeet Khokhar, Class 5

## **Everything Is Possible**

Everything is possible in this world,  
Every one can say these words.  
If we try to do something,  
God is always with us.  
If we do hard work,  
God has given a life to us,  
Which is full of downs and ups.  
We are the future of the Nation,  
So we must do something special.  
Always try to do your Best,  
So that everyone may remember you,  
"There are hundreds of languages in the world  
But a smile can speaks them all"

Vansh Bharwaj, Class-5

## Value of Time

Time is a thing no one can buy  
If it flies everyone will cry  
God created such a rhyme  
After bad always comes good time  
    In our life every time of prime  
    So never commit a crime  
    Time and patience are the strongest warriors  
    As they can break each and every barriers  
For kids it's enjoyable time  
Playing with slime or drinking lime  
For young ones it's merry time  
Sitting under room's chime  
    Elders like to relax under sunshine  
    Sitting on chair they say it's mine  
    Something is also amazing in bedtime  
I sleep around eight or nine

Anshu, Class VI

## Water : an Elixir of life

Water has been so important since the beginning of a life that all the major civilizations have taken place near the river in the world. Rivers play an important role in developing major cities in India as transportation is much easier through rivers. Scientists are talking about life on Mars as they found some frozen water and moisture in Air. Scientists are still exploring life on Mars, but the main point is that due to water availability, we can imagine life; otherwise, there is no possibility of life. Thus, we can also say that 'Water is life.

Water is important for the earth's ecological balance, i.e., Water from the Sea evaporates and joins the Air as water vapour and turns into clouds. When cloud transfers from the sea to a plain area and cools down, it converts into rain and fills the river and groundwater again.

Rehmanpreet Kaur, Class VI

## Force: An open secret

Force is the push or pull applied on an object. We apply force on different objects to lift, move, open or change their shapes. The force exerted by a machine is called mechanical force. Following the different types of forces:

**Muscular Force:** The force exerted by the action of muscles is called muscular force. We use muscular force to push or pull and to perform almost all our activities.

**Elastic Force:** The ability of a material to return to its original shape after being stretched or compressed is called elasticity. When an elastic material is stretched or compressed, it exerts elastic force.

**Gravitational Force:** The force with which the earth pulls all objects towards itself is known as the gravitational force. It is directed downward towards the centre of the earth.

**Frictional Force:** This is the force that resists the motion of moving objects. It comes into play only when an object moves or tries to move over a surface. The force that causes moving things to slow down and stop is called frictional force or friction.

**Magnetic Force:** The materials that get attracted to a magnet are called magnetic materials. The force exerted by a magnet is called magnetic force.

**Electrostatic Force:** The electrostatic force is an attractive as well as repulsive force caused by the electric charge particles. It is also known as Columb's Force. The Columb attraction would be named after Charles-Augustin de Coloumb, a French scientist.

Arindam Singh Thakur, Class VI

## Unique We Are

We are children of same father  
We are brothers here further.  
We are all souls, He is Supreme,  
He can create in water the cream.

Then why do we fall and fight?  
No way is it here not at all right.  
Why do not we feel other's mind?  
Why does kindness go on hide?

Why do we fight for region and land?  
Same blood is flowing in body, hand.  
it is not fair at all come on and all join  
World is one home, one family coin.

Oneness is our unique identity,  
We should ever work with integrity.  
Our visions are spread across space,  
Unique in creation is human race.

MuskanKumari, Class VI

## Indian Farmer

Indian farmer is one of the most important members of the society as he is the producer and given of the food for whole country. They have a very busy and hardworking schedule as they wake up Early in the morning and go to their fields for cultivation. Before farmers used oxen for tilling and ploughing the fields, but today they are using tractors and advanced machineries. Farmers plough the field, the sow the seeds, give water in the field timely so that grains could grow and then reap the grains after ripening. Farmers Sprinkle fertilisers, manures, compost in the field and for protecting the crops from insects and pests the use insecticides and pesticides. Previously, most of the farmers were illiterate and didn't know about latest farming methods but nowadays farmers have become literate and tech- savvy. Although the life and condition of big farmers are quite good but the condition of the small and marginal farmers needs improvement. Small farmers take loans



which they are unable to repay due to loss in agriculture and commit suicide due to increasing pressure from banks. The crops of the farmers either get damaged due to bad weather or they get very less amount of the crops due to mischievous middlemen. Government must take care of the farmers by providing monthly financial assistance and increasing the prices of the farmer's yield.

Kiranjot Kaur, Class VI

## Save Tree

Now I will plant this little tree forever and ever it belong to me when it's grown up I will life my eyes to see my tree against the skies -a great tall living thing I shall see and how glad I'll feel that it's my tree!!!!

Gurjot Kaur, Class VI

## Save Water

Water is a boon  
Water is life  
Without any water  
Nothing will survive  
We need too  
Don't waste it  
We can, t make mistake  
We must save water  
For everyone's sake

Gurjot Kaur, Class VI

## Water

Water is one of the most important need of every creature who lives on earth. We all know we can't live without water , But we polluting water . We throw garbage in rivers, ponds . Rivers and ponds are natural source of water , we get maximum water from ponds and rivers , but we make them dirty . We can't drink dirty water because drinking dirty water make us sick , and we get less water due to mistakes .we see many places where there is drought due to less water access . and we make the water dirty , due to which water at least the water reaches us, water is precious!

So, SAVE WATER AND SAVE YOUR AND YOUR NEXT GENERATION LIFE !

Srishti, Class VII

## Story of a Soldier

There was once a young man named John who grew up in a small town. From a very young age, John knew he wanted to be a soldier. He was fascinated by the bravery and selflessness of those who served their country and he dreamed of one day doing the same.

As soon as he was old enough, John enlisted in the army. He went through rigorous training and emerged as a strong and skilled soldier. He was deployed to a war-torn country, where he served for months on end. He saw the horrors of war, but he also witnessed the incredible resilience and bravery of his fellow

soldiers.

One day, while on patrol, John's unit came under attack. Bullets were flying everywhere and chaos reigned. Despite the danger, John stayed focused and led his team to safety. He risked his own life to save the lives of his fellow soldiers and for that he was awarded a medal of honor.

Years went by and John returned home. He struggled to adjust with civilian life and haunted by the memories of war. But he never forgot the lessons he learned as a soldier: the importance of bravery, teamwork, and selflessness.

John went on to live a long and fulfilling life, but he always looked back on his time as a soldier with pride. He knew that he had done something truly meaningful, and that he had made a difference in the world. And so, he remained forever grateful for the opportunity to serve his country as a soldier.

Abhigyan Rawat, Class - VII

## **Why did God make Mother?**

My mother is the most important person in my life. She is both my teacher, and my best friend. She is a supermom because she is always there for me. She is an inspiration for me. God can't be always with us, that's why they made mother's. She motivates me for growing and achieve better things in my life. Her constant prayers and blessings have helped me become successful in every walk of life.

Knish, Class - VII

## **Science in everyday Life**

Science very efficiently plays the role of being a faithful servant of man. In every walk of life, science is there to serve us. We require the benefits of science whether in our home, in office, in a factory, or outside. Gone are the days when only wealthy people could afford luxuries. Science has made many luxurious items of the past cheaper in price and has brought them within the reach of everybody. Computer technology is one huge benefit of science. Nowadays, it would be unimaginable to consider living without computing technology. A huge number of professions now rely totally rely on the computer and the internet. Besides, the computer and the internet have become our biggest source of entertainment in our everyday life. Automobiles, an important scientific invention, has made our lives easy by significantly reducing everyday commuting time. The air conditioner is another scientific invention that has made our lives bearable and comfortable for facing extreme weather conditions.

Pawanjeet, Class VII

## **Save Girl Child**

The little bud is beholding her journey  
Keeping the patience to bloom with love,  
A tender hot and a cozy dream,  
She want to be in this world.  
Abortion is never an excellent choice,  
You need to pay its worth.  
How can you be so wild,  
The need of an hour is to save the girl child.

When you need a mom,  
A sister or a lover  
Then why don't you need a daughter?  
You can be blessed with more wealth  
When your daughter is born with good health.

Satkar Kaur, Class VII

## Education

“Education”... The word education is the most powerful weapon which we can use to change the world. Education doesn't matter that one is studying in village or in a big city; It matters how one has determination to study...If one is having determination to try best or win “HE WILL”. Success doesn't depend on the education which is taken up from a village or from a big or well developed city , it depends on all the efforts which one has used to be a winner...So, my dear friends if you want to be successful in life don't think that you are belonging from a small city or a poor family, just have the determination to study well and change the WORLD...

Navya, Class VII

## My Tree

Now I will plant this little tree!  
Forever and ever it belongs to me.  
When it's grown-up I will lift my eyes  
To see my tree against the skies.  
A great, tall, living thing I shall see.  
And how glad I'll feel that it's my tree.

Aman Adarsh, Class VII

## Nature

Everything is natural,  
God gave us this feature.  
Birds fly in the sky,  
And mountains are so high.  
Trees are green,  
And water so clean.  
We are only harming it,  
But it never betrays .  
It always gave us right way,  
Please leave it as it is  
Don't try to play with it.

Gursewak Singh, Class VII

## Delectable Fruits

Apples are crunchy, red and round  
They fall from trees onto the ground.  
An Orange is like its name,  
Peeling it is like a game.  
Bananas are yellow, soft and long,  
Eat a bunch, you can't go wrong.  
Strawberries are sticky, sweet and red,  
It's messy to eat them on the bed.  
Watermelons are big, heavy and pink,  
Split the seeds into the sink.  
Pears are yellow, green and brown,  
Pick them at the supermarket in town.  
Fruit salad is great in all weather,  
Make a bowl and enjoy together..

Jasnam Kaur, Class IX

## School is fun...!!

School is fun  
I tell everyone  
I sing and dance  
Learn about plants,  
The flowers and trees,  
Butterfly and bees  
I learn to be good  
Like I should  
I read and write  
That's why I am so bright.

Jasnam Kaur, Class IX

## Importance of Artificial Intelligence

In computer science and computers the term artificial intelligence has played a very prominent role. The term has become more popular due to recent advances in artificial intelligence and machines learning. Machines learning is the area of artificial intelligence where machines are responsible for completing daily tasks are believed to be smarter than humans. They are known to learn adapt and perform much faster than humans and are programmed to do so. Robotics and integration with lot devices have taken machines to think and work to a new level. Where they out- perform humans in their cognitive abilities and smarter.

Sagun, Class IX

## Importance of Healthy Lifestyle

A healthy lifestyle is essential for overall well-being. It encompasses regular exercise, balanced nutrition, adequate sleep, stress management, and avoidance of harmful habits. Maintaining a healthy lifestyle

lowers the risk of chronic diseases, boosts energy levels, improves mental health, enhances productivity, and promotes longevity. It is an investment in oneself that pays dividends in the form of a happier, more fulfilling life. Prioritizing a healthy lifestyle is crucial for individuals of all ages, as it empowers them to lead a vibrant and thriving existence.

Sarthak Sharmam, Class IX

## Life

Life is so short.  
It gets shorter each day.  
This life on earth quickly passes away.  
The time we have to live is briefly here,  
Then like a vapour our lives disappear.  
Don't waste your life living for self and gain.  
or living for what's sin, temporal, and vain.  
Live your life for Christ and what will go on;  
What Lasts forever when your life is gone.  
It will be soon when you take last breath;  
Life will be over and you will face death.  
And you will stand before God and you'll see  
What really mattered for eternity.  
Your life is getting shorter every day,  
And like a vapour like passes away.  
One day, very soon, when your life is past,  
Only what you did for Jesus will last.

Samreet Kaur, Class IX

## Riddles

- 1) What has to be broken before you can use it?  
Ans: An egg .
- 2) I am tall when I am younger and I am short when I am old who I am?  
Ans: A candle.
- 3) What is full of holes but still holes water?  
Ans: A sponge.
- 4) What is always in front of you but you cannot be seen?  
Ans: The future.
- 5) What goes up but never comes down?  
Ans: your age.

Sunaina, Class IX

## International Millets Day

### What are millets?

Millets is a common term for categories small -seeded grasses that are called Nutri-cereals. Some of

them are sorghum (jowar), pearl millet (bajra), finger millet (ragi), little millet (kutki), foxtail millet (kakun), proso millet (cheena), barnyard millet (sawa), and kodo millet (kodon). An essential staple cereal crop for millions of smallholder dryland farmers across Sub-Saharan Africa and Asia, millets offer nutrition, resilience, income and livelihood for farmers, and have multiple uses such as food, feed, fodder, biofuels and brewing

### **Significance and millets:**

Millets are nutritionally superior to wheat and rice owing to their higher protein levels and a more balanced amino acid profile. Millets also contains various phytochemicals which exert therapeutic properties owing to their anti-oxidative properties. Further, besides being climate resilient, millet grains are rich sources of nutrients like carbohydrates, protein, dietary fibre, and good quality fat, minerals like calcium, potassium, magnesium, iron, manganese, zinc and B complex vitamins. Most importantly, production is not dependent on the use of chemical fertilizers.

Karanpreet Singh, Class IX

## **A Student's Life**

Student's life is a best part of life. A student learn many things from a book but he has to enter the real world after his student life is over. So, he need practical knowledge of thing student life lead a man to live a successful life. In fact, student life is a life of learning. A student learn morality and good manners. He understand the value of discipline in life. So, students' life is a period of making and preparation. Students' life is a care free life. It is life of joy. A student is free from the all cares of the world. He gets a different atmosphere from the college.

Simran, Class IX

## **Environment**

The environment is a complex system of living and non-living things that interact with each other in various ways. It includes air, water, soil, plants, animals, and humans. The environment is essential for our survival and well-being, and it is our responsibility to protect and preserve it for future generations.

One of the biggest environmental challenges we face today is climate change. The Earth's climate is changing due to human activities such as burning fossil fuels, deforestation, and industrial processes and cause the increased amount in carbon dioxide, that lead the destruction in ozone layer of earth's atmosphere, that causes Greenhouse effect, that leads Global warming.

Our environment is the best friend of ours that gives benefits to us. If we destroy our environment then it will only harm us. By maintaining our environment by plantation, forestation, etc. will reduce the carbon dioxide and other harmful gases and create good resources in our life for preserving for future generation.

Yogesh, Class X

## **Environment for us**

Environment is the nature and surroundings in which all plants, humans and other living beings live and operate. Every living and non-living thing is related to environment. Environment plays a major role in giving birth to a new life, in the growth of a life, survival of the life and the over-all well-being of any life. It provides us the fresh air that we breathe, water that we drink, food that we eat and almost all the resources for our survival.

Environment also provides us with several other natural resources that are very important. Natural

resources are the resources that environment gives us naturally without we creating it. It includes Sunlight, atmosphere, land, water, plants, animals, sea life, minerals, different species and everything that occurs naturally on earth. It provides us with the resources such as fuels, metals and most forms of energy to use.

Ishmeet Kumar, Class X

## Development of Agriculture

This department has a vital role to play in the advancement of agriculture. It acts as a link between the farmers and the agricultural scientists. It delivers important information to the farmers on scientific cultivation of crops, crop protection, agricultural mechanization, soil conservation techniques, conservation of natural resources, etc. The department organizes camps at village/block/district levels to transfer this information to farmers.

In addition to the camps, it also organizes exhibitions and demonstrations of recent technological advancements in agriculture. It controls the quality of fertilizers, seeds, pesticides, weedicides etc. as a result of which only those products reach the farmer which go through the quality measures set up by this department. The department also hosts soil testing, seed testing and fertilizer testing laboratories.

Sorav Ghumman, Class IX

## Ek Bharat Shrestha Bharat

The prime minister of India, Narendra Modi, announced a scheme “Ek Bharat Shrestha Bharat” on 140th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel. Government of India launched the scheme to promote unity among the inhabitants of the states and UTs of India. In this scheme pairs of UTs and states are made, to exchange their cultural difference for a period of one year, then the new pair are made in the following years. 11 ministries are also involved in this scheme when it was initiated. National integration among people of different states and UTs by holding same cultural exchange their programmes time to time is the main objective of this scheme. In many schools this scheme is celebrated every year. To promote atmosphere of same learning between the UTs and the states is also an aim of this.

Karishma Ray, Class IX

## Climate Change

Climate change is a global phenomenon that has been a major concern for scientists and environmentalists for the past few decades. It has become an issue of great importance as it is affecting the planet on a large scale. There is no doubt that climate change is happening and it is affecting the environment in multiple ways. Climate change is caused by human activity such as burning of fossil fuels, deforestation, and industrial activities which release greenhouse gases into the atmosphere. These gases trap the heat from the sun leading to the warming of the planet. The effects of climate change are immense – melting of glaciers, rising sea levels, increased frequency of extreme weather events, and changes in weather conditions.

One of the most significant consequences of climate change is global warming. The rise in temperatures has had a major impact on the environment, causing the loss of natural habitats and the extinction of many species. Also, climate change has led to rising sea levels, which pose a great threat to coastal communities and low-lying areas. With people living in these areas being forced to move, there is a risk of mass migration, leading to political and economic unrest.

The Impact of climate change is not just limited to the environment; it also has serious implications for



the economy. Extreme weather events such as floods, hurricanes, and droughts have caused the loss of life and property, while disrupting commerce and trade. In addition, changes in weather conditions have led to reduced agricultural production, which in turn affects food security. It is clear that climate change is a major challenge for humanity, and addressing it requires concerted efforts by all stakeholders. Governments, businesses, and individuals must take decisive action to reduce greenhouse gas emissions and promote clean energy sources. This can involve transitioning to renewable energy like solar, wind and hydroelectric power, which does not emit CO<sub>2</sub> into the atmosphere.

In conclusion, climate change is a real threat which has already caused significant damage to the environment and human life. It is critical that steps are taken to reduce greenhouse gas emissions to prevent further damage. The time to act is now, and we must all play our part in protecting the planet and securing a sustainable future.

## School with friends

We enter the class accompanying the mates,  
Chattering, offencing and starting debates.  
Often in the class we are punished,  
Nothing else, but our work isn't finished.

Standing aside, sounds different,  
And after sometime, we realise and regret  
Studying for a long, is really done,  
It should have some flash of fun.

In the break we have different kind of dishes,  
Our homes should be near as we all thinks.  
Talks in the games are must and of course,  
But we should have to complete the rounds by force.

In the end, I just wanna say that,  
Studying,enjoying,roaming with friends is glad.  
Don't miss the chance to make such memories with them,  
Cause it's hard to find the best fellows again.

Primalpreet Kaur, Class X

## Baba Deep Singh Ji

Baba deep Singh was born on 29th January 1682 his fatherBhagta and mother Jioni in the village of Pahuwind inAmritsar district Gurdaspu . He was born into sandhujatsikhfamily. He went to Anandpur sahib in 1709. Baba deepSingh joined Banda Singh Bahadur during the battle of Sadharraand the battle of chapparchiri. He is revered among Sikhs as oneof the most hallowed martyrs in Sikhism. He remembered for hissacrifice and devotion to the teaching of the Sikhs guru baba deepSingh was the first head of misl Shaheed Taran dal. He was died on13 November 1757 in golden temple, Amritsar.

Sahilpreet Singh, Class IX



## Life: A journey to enjoy

Life is not just the name of hard work and stress,  
it's an opportunity to enjoy,  
it feel it and worship the almighty to become free from stress and  
heel ourselves with its nourishment.....

Some say life is very small,  
but I'll say life is the biggest thing in which  
we suffer through different life stages and  
acquire knowledge and gain experience.

Komaldeep Kaur, Class X

## Parents: My inspiration

My parents are really special because the first reason is that because of them I am here, I am alive. They love me selflessly, cares for me always and makes me feel special every time. They are always ready to help me. They are my first teacher as they have only taught me everything. Parents are the backbone of every child. Kids connect with their parents in various ways. They observe them and don't shy away from imitating them because their parents are their role models. My parents are my strength who support me at every stage of life. I can't imagine my life without them. My parents are like a guiding light who take me to the right path whenever I get lost. Parents are the most precious gift of God for us. They help us in every step of our life, they trained us very hard style for the future challenges. Parents are living for us, they are real God. We should respect them and their decisions in life. Parents love for their child is unconditional and selfless. No matter what you do, you will never be able to pay back for what your parents have done for you. When your heart is filled with gratitude and love, you want to give your parents something in return. Giving them little gifts, warm huge and express through words of appreciation can completely make their day.

*You are the perfect parents,  
And I'm your biggest fan.  
Thank you for being the best parents,  
I love you with all my heart  
Today and forever more.*

Harpreet Kaur, Class X

## Motivational Quotes

1. If people's make fun of you don't be embarrassed make it your strength.
2. Biggest power in this world is never give up in your because fail means first attempt is not last.
3. Success is not easy because it needs sacrifice.
4. If you wants to become successful in life and wants to earn money you have to put your feet out from the house.
5. Don't let your success on luck do hard work and don't be afraid one day you will get success

Netali Bhati, Class X

# Importance of Artificial Intelligence

AI or Artificial Intelligence has become one of the most significant technologies in recent years. The importance of AI in modern times cannot be overstated, and it has the potential to revolutionize different fields. AI has already made its way into many areas like healthcare, transportation, education, and finance, etc. Its potential applications are limitless, and its impact is massive. In this essay, we will discuss the growing importance of AI in detail.

One of the most significant advantages of AI is its ability to automate tasks that were earlier done by humans. It can perform repetitive tasks more efficiently and with better quality than humans. It is particularly beneficial in industries like manufacturing, where automation of processes leads to more significant productivity, reduced errors, and higher quality products. AI also helps in reducing overall costs and improving the bottom line of a business.

Another area where AI plays a vital role is in data analysis. With the growth of big data, AI has become critical to making sense of the overwhelming amount of data that businesses and organizations produce. AI algorithms can analyze vast amounts of data much faster than humans, and identify patterns and trends that would have otherwise remained hidden. This ability helps businesses make informed decisions and take advantage of opportunities to gain a competitive edge.

AI is also transforming healthcare delivery. AI-powered diagnostic tools can improve accuracy and speed in diagnosing diseases, which can be particularly useful when dealing with complicated diseases like cancer. It can also help doctors save time by automating repetitive tasks such as medical record-keeping and decision-making processes. AI-powered devices can often detect problems earlier than human physicians, leading to earlier interventions and better health outcomes.

Education is another area where AI is making a significant impact. AI-based educational tools can tailor learning to individual needs, making it more engaging and effective. Intelligent tutoring systems can adapt teaching methods to the student's pace, and optimize learning for the student. There are also several educational catboats that can answer student queries round the clock, providing them with instant support and assistance.

In conclusion, AI is an essential technology that is becoming increasingly important in modern times. Its potential to automate tasks, analyze vast amounts of data, and improve decision-making is critical to the growth and success of businesses and organizations. Its impact is already being felt in several fields ranging from healthcare, manufacturing, education, and finance. The challenge now is to leverage AI effectively and ethically to take advantage of its benefits while mitigating any potential negative effects. As AI continues to evolve, its importance will only continue to grow.

Shivam Bedi, Class - X

## My life's Dream

My wish is to stay always like this,  
Living quietly in a corner of nature .....  
I have seen many storm in my life.....  
In nature light creates in the colour  
Look deep into nature.....  
And then you will understand everything better.....  
Wherever you go; no matter how the weather is always bring your own sunshine

Sardarjee Ashat Vikrat Singh Bajwa, Class IX

## Is Money is root of all the Evil?

Money is an important object for everybody today because it is use in all things that we can see today. We go by our daily lives earning and spending money in order for us to live. All of us use money to buy things that we need like home, food, water, clothes, and other important necessities. Also, we buy things that we want that is not really important compared to the things that we need, that things that we want only gives us a temporary joy or accomplishment that makes you feel better for yourself because you are able to buy the things that you want its only because of we have plenty of money . Other than the good things that we use our money on, we also sometimes use our money to cause others misfortune, hardship, harm, sorrow, and many others that would affect them negatively. Having lots of money doesn't really make us evil, because money is used as an instrument to cause evil to others. Money is not the root of all evil because the thing that is truly making us evil is our love for money and greed.

Many people today are working in order for them to earn money for their daily necessities, for their family, for their dreams, and for the things they want. In normal circumstances, people are working eight hours a day in offices, in a fast-food restaurant, and other working establishments just to earn their deserved salary and to fulfil their basics necessities. But not all of them are contempt with what they earn in those eight hours of hard work, so they start to do over-time works, lots of part-time jobs, and other necessary work just to earn a little more money to compete with others. Instead of running after money and instead of doing that unnecessary things ,people who have money can make other people do things for them as money can be used as a tool of happiness for others who can't even afford one time meal. It makes the harsh effect on those are in poverty or in a dire state that will do anything just to earn some money. They would do even evil things without thinking or knowing the consequences of what they can do. But if one have money means that you are able to buy whatever things you want and need, or you can even use it to escape all your problems. Today, everything around us involves money. It is up to us on how we use it for our daily lives and we need to look at our surroundings and see what we really need to do. Being rich or poor, you can do well if you just use it wisely and for a great purpose. All in all money is an objectwe need to live and survive.

Money can be used for good and evil, it just depends on how and what is the purpose of its use. That said, money isn't really the root of all evil, it is our greed and the love for money.

Amanjot Singh, Class XII

## Life

Life is a great chapter to read or learn. In this creative world everyone have their own life which they want to live with their own Ways but some of great person's life would be an inspiration to others so, they adopt the way of living of that person. According to traditional/ancient world we know that our life is given by God. In other hand according to science god is not, if we read or search about this topic we get confused and it is difficult for us to believe on anything. Day to day life everyone lifestyle gets change gradually. Everything on this world including humans, plants, animals etc. Have different ways to live and enjoy their life.

2 furthermore, children also have their own Way of living. They don't want to depend their dreams or thinking on anyone else. Gradual change in lifestyle give a huge difference between lifestyle of last generation as compare to new one. I mean to say that if we research for dressing style or eating style of last generation and new one we found a huge difference between them. Even if we research about now trading lifestyles we also found a large difference. As time is going on people also going on to discover new trends.

Moreover, if we talk about this topic in front of our grandparents, they will also tell us the difference between their lifestyle when they are child or adult and our today's lifestyle. Not only clothes or food but currency were also tell us a change. Once upon a time a thing

4 costs only 5 Paise or 50 Paise and that thing in today's time cost 5000 rs even market price of some of that things in lakhs or crore. However, according to time our needs also get increase. To live in today's World every person of family needs to do hard work otherwise that family can't survive in the society in future. Working hard is the best policy which is need to adopt by all people to get better lifestyle and to secure the future of their children.

Mandeep Kaur, Class: XII

## Motivation

- # Motivation is defined as a state of mind when every things seems positive and we have a different kind of enthusiasmt to complete our work.
- # It is a good in many ways and adds confidence to us.
- # Motivation is significant for overall growth of your mind and as well as personality.
- # Motivation is a necessary resource to improve and work productively during changing times.
- # It is not every time we are successful but to start a new phase, we need some motivation.
- # once we are motivated ,we start with new energy and hope.
- # There is a many source for motivation and sometimes we have role models.
- # our parents are most effective source of motivation for us .
- # A motivated person carries positive vibes and has the ability to generate new ideas and thoughts.

Randeep kaur, Class – XII

## Students Life

Students life is a best part of life. A student learn many things from a book but he has to enter the real world after his student life is over. So, he need practical knowledge of thing student life lead a man to live a successful life. In fact, student life is a life of learning. A student learn morality and good manners. He understand the value of discipline in life. So, students life is a period of making and preparation. Students life is a care free life. It is life of joy. A student is free from the all cares of the world. He gets a different atmosphere from the college.

Simran, Class IX

## Why to save water?

'if you save water, water will save you' Water is the precious gift of God on the earth life exists on the earth because of the availability of water itself being tasteless, odourless and it adds taste and nice smell in the life of living being on the earth three-fourth part of the earth is full of water however we need to conserve water as there is very less percentage of clean water.

Without water life is not possible on the earth. all the living being like human, animals, plants, etc. need water to grow, develop and live. Water is the only source of all lives here we need water in all walks of like people working in different fields need water for different purposes such as farmers need water to crop, gardeners to water plants, industries for industry work, electricity plant to generate hydro-electricity etc. So we should save clean water for the wellness of our future and avoid misuse if it will mould our future.

Mannat Chauhan, Class – VIII

## Riddles

- Q. What has a neck but no head?  
A: A bottle
- Q: What is full of holes but still holds water?  
A: A sponge
- Q: How do you spell COW in thirteen letters?  
A: SEE O DOUBLE YOU.

Jaspreet, Class – VIII

## Thought

Don't be afraid...  
Don't be afraid, until the almighty is with you,  
He will never let you down, He will always help you and nourishes you with his spirituality.

Khushdeep Kaur, Class VIII

## Ek Bharat Shreshtha Bharat

India is a country where people follow various religions. It has a rich heritage and ethnicity. People speak various languages and dialects. But, still, all the Indians are one nation. They have mutual love and respect for each other. The Ek Bharat Shreshtha Bharat scheme is a programme to strengthen this unity among the people of India. The programme was started by the Prime minister of India, Mr Narendra Modi, where the states and union territories of India exchange the various customs and practices. This will promote and signify the customs and identity of particular states and union territories and will also enhance mutual love and respect for each other. This will encourage brotherhood and integrity among the diverse nation. Andhra Pradesh is located in the south eastern coast of India and is the eighth largest state in the country. The state is bordered by Chhattisgarh to the north, Odisha to the northeast, Telangana and Karnataka to the west, Tamil Nadu to the south, and the Bay of Bengal to the east. Its 974 km coastline is the second longest in the country. Andhra Pradesh aims to be among the top three performing Indian states by 2022 and a developed state by 2029. It also envisions itself as a leading global investment destination by 2050. Visakhapatnam, Kakinada, Tirupati and Amaravati are the state's four cities that have been selected as smart cities as of January 2018.....

Priyanka Show, Class VIII

## Social Media

Social media is a tool that is becoming quite popular these days because of its user-friendly features. Social media platforms like Facebook, Instagram, Twitter and more are giving people a chance to connect with each other across distances. In other words, the whole world is at our fingertips all thanks to social media. The youth is especially one of the most dominant users of social media. All this makes you wonder that something is so powerful and with such a massive reach cannot be all good. Like how there are always two sides of a coin, the same goes for social media. Subsequently, different people have different opinions on this debatable topic. So, in this essay on Social Media, we will see the advantages and disadvantages of social media. When we look at the positive aspects of social media, we find numerous advantages. The most important being a great device for education. All the information one requires is just a click away. Students can educate themselves on

various topics using social media.

Moreover, live lectures are now possible because of social media. You can attend a lecture happening in America while sitting in India.

Furthermore, as more and more people are distancing themselves from newspapers, they are depending on social media for news. You are always updated on the latest happenings of the world through it. A person becomes more socially aware of the issues of the world. In addition, it strengthens bonds with your loved ones. Distance is not a barrier anymore because of social media. For instance, you can easily communicate with your friends and relatives overseas. Most importantly, it also provides a great platform for young budding artists to showcase their talent for free. You can get great opportunities for employment through social media too. Another advantage definitely benefits companies who wish to promote their brands. Social media has become a hub for advertising and offers you great opportunities for connecting with the customer

### **Disadvantages of Social Media**

Despite having such unique advantages, social media is considered to be one of the most harmful elements of society. If the use of social media is not monitored, it can lead to grave consequences. It is harmful because it invades your privacy like never before. The oversharing happening on social media makes children a target for predators and hackers. It also leads to cyberbullying which affects any person significantly.

Priyanka Show, Class VIII

## **Daddy**

Daddy daddy let me say,  
I love you in every way  
I love you for all you do,  
I love you for being you  
Daddy daddy let me say,  
Have a happy father 's day.

Sahibpreet Kaur, Class VIII

## **Stranger**

I'm a stranger to myself  
walking down a path  
overgrown with sticky leaves  
and thorny branches  
Gasping oxygen  
in a grove of trees towering to meet the sky  
I'm climbing horizontally  
hitting hard dirt  
and rolling to look  
into the sun  
I'm a stranger  
to myself

Hardik Saini, Class VIII



# Earth Day

I am the Earth  
And the Earth is me.  
Each blade of grass,  
Each honey tree,  
Each bit of mud,  
And stick and stone  
Is blood and muscle,  
Skin and bone.  
And just as I  
Need every bit  
Of me to make  
My body fit,  
So Earth needs  
Grass and stone and tree  
And things that grow here  
Naturally.  
That's why we  
Celebrate this day.  
That's why across  
The world we say:  
As long as life,  
As dear, as free,  
I am the Earth  
And the Earth is me.

Hardik Saini, Class VIII

## Importance of Time Management

Why is Time Management Important for Students? Time management for students (and everyone else) is about making your day purposeful. It is about taking control of the time you have and optimizing it for focus, Productivity, and above all, balance. Before we list out the time management tips for students, it is crucial for students to understand why time management is important.

All of us should make the most of the limited amount of time we have in a day. It is very easy to get wrapped up in a flurry of various activities and accomplish less. Managing time effectively enables students to become more confident, and organized, and learn more efficiently. Effective time management skills are particularly essential for high school students, as they have to deal with more subjects, tests, assignments, and extracurricular. Time management techniques can help students be on track and cope with the stress of added responsibilities.

### Time Management Tips and Strategies

- Make Use of a Daily Schedule Template to Plan Your Day
- Understand How You are Currently Spending Your Time (And Where You Are Losing It)
- Set Proper Goals to Measure Your Progress
- Break Large Projects Into Smaller, Actionable Tasks
- Be Realistic About the Time You Need to Complete a Task

- Pay Attention to Your Body's Natural Energy Highs and Lows
- Take Breaks at the Right Time
- Remove Distractions
- Avoid Multitasking
- Build Better Routines and Habits for Long-Term Success
- Working Smarter to Enhance Productivity

## The Benefits of Good Time Management

Constant meetings, social media, and an endless stream of emails may make it challenging to create a productive day. Developing effective habits at work will enable you to accomplish your best job regularly. You have two options for increasing your productivity. You may work longer hours if you bring your job home with you. You may also work smarter by boosting efficiency without sacrificing quality. Let's look at some significant benefits of good time management are:

- Stress Relief
- More Time
- More Opportunities
- Ability to Realize Goals

How Well Do You Manage Your Time?

There are several approaches you may use based on your time management abilities and experience, but the goal is to explain a system that works for you and makes sense in the position you're going for. In other words, if you're working in a team atmosphere, discuss an efficient time management approach for teamwork, such as getting everyone acquainted with project management software. Then, discuss the advantages of employing this method for time management. Going into depth about how this technique has worked for you demonstrates to the interviewer that you have real-world experience adopting this way to manage your time and aren't simply making it up.

Sahildeep Singh, Class VIII

## Trees

Trees are life, oh can't you see  
 Their loss would be a tragedy  
 Let's plant them, let's take care  
 So our planet can still bear

We must act, and act with speed  
 To stop this devastating deed  
 Together we can make a change  
 And our environment rearrange

So let's save the trees, one and all  
 Before their fate we cannot stall  
 Let's show our love and our care  
 For a greener world that we can share.

Navdeep Singh, Class IX



## About Nature's Tree

In the forests green and lush,  
Trees stand tall, they do not rush.  
Their leaves rustle in the breeze,  
A sound that brings a sense of peace.

But greed and ignorance threaten their plight,  
Chainsaws roar, and forests take flight.  
The earth suffers as trees fall,  
Habitats lost, animals' homes gone withal.

But we can make a change, you and I,  
Planting seeds, watching them grow up high.  
We can save the trees, if we care,  
For a world that's green, and fresh, and fair.

So let's act now, before it's too late,  
Preserve the forests, let them thrive and mate.  
Together, we can save the trees,  
For a better future, for you and me.

Navdeep Singh, Class IX

## Punjab: Rich Culture and Challenges

Punjab is a state located in northern India, bordered by the states of Jammu and Kashmir to the north, Himachal Pradesh to the east, Haryana to the south and southeast, Rajasthan to the southwest, and Pakistan to the west. It is the 20th largest state in India in terms of area and the 16th most populous state in the country.

The name Punjab is derived from the Persian words “panj” meaning five and “ab” meaning water, as the region is known for its five rivers - Sutlej, Beas, Ravi, Chenab, and Jhelum. Agriculture is the main occupation of people in Punjab, and the state is often referred to as the “breadbasket of India.”

Punjab is known for its rich cultural heritage, including its cuisine, music, and dance. Punjabi cuisine is known for its spicy and flavorful dishes, such as butter chicken, cholebhature, and sarson da saag. Bhangra and Giddha are popular traditional dances of the state.

The state has a rich history, and its landmarks such as the Golden Temple in Amritsar, JallianwalaBagh, and the Wagah Border are popular tourist destinations. Punjab has also produced many famous personalities, including Bhagat Singh, LalaLajpat Rai, and Milkha Singh.

However, the state also faces many challenges, including drug addiction, farmer distress, and a lack of employment opportunities for its youth. The state government has been working to address these issues and promote economic growth through initiatives such as the Invest Punjab Summit and the Punjab Start-up and Entrepreneurship Development Scheme.

Overall, Punjab is a state that is rich in culture, history, and natural resources. Despite its challenges, it has a bright future and is poised to make significant contributions to the growth and development of India.

NainaGuleria, Class IX

## **Books : Our Best Friend**

If you read a few,  
then you will know it's true,  
Books are good for you  
Chef read cookbooks, !  
pirates reads hook books,  
little kid read lift and look books,  
We read books of poems and prose,  
Some of these and some of those,  
read some too, and you will  
agree books are good for you and me!!

Prathana, Class XII

## **Women Empowerment**

Women are the power of nature,  
they are kind and keep trust,  
having love for all they teach,  
they do transformation of ages.  
they hold nature within them,  
nature loves to reside in love,  
like sun rays they light lives..  
nurturing us women build heaven.

Pooja Kumari, Class XII

## **My School:KV DBN Shikar**

Schools are the temple of learning and fun,  
My KV DBN SHIKAR  
Outshines like a Sun.

My school is unique,  
My teachers are nice,  
The Students are hardworking,  
Each is a perfect slice.

Long live my school,  
Always and ever,  
KV DBN SHIKAR is my first love,

I will forget it never.

Baljeet Kaur, Class - XI

## The Spiritual Diet

“ Watch your thoughts,  
they become your words;  
watch your words,  
they become your actions;  
watch your actions,  
they become your habits;  
watch your habits,  
they become your character;  
watch your character,  
it becomes your destiny”

Aastha Mahajan, Class XI

## Cultivate Awareness

1. When we wake up in the morning, our minds have the highest absorbing capacity. The information we take in at that time can set the tone for the rest of the day. Consciously choose only to read positive information to start your day. Reserve newspaper, checking phone, etc. for at least an hour after or later than that.
2. If we just drink water in the morning and then not drink it throughout the day we will be dehydrated, right? Similarly as the day proceeds keep pausing and reading something that is useful to you. Otherwise the morning dose of positivity will be buried deep under all the useless information.
3. Use technology to please yourself not others. We do not have to immediately respond to every notification. We do not have to read every article that pops up on our screen. Go to the settings page and turn off the unnecessary notifications. Take out a separate time slot for checking social media or for entertainment and keep it restricted to that.
4. And lastly before going to sleep again fill your mind with something pure and positive. That last information is what the brain will process in the night and will be carried forward to the next morning. This will continue the holy cycle of right thinking.

Aastha Mahajan, Class XI

## Kartarpur Sahib Corridor

The Kartarpur Corridor is a secure corridor through which Indian pilgrims can visit the holy Darbar Sahib in Pakistan, visa-free. This milestone was achieved after India and Pakistan signed an agreement in 2018 for Indian Sikhs to easily visit their holy pilgrim site. In 2018, India and Pakistan signed the historic agreement for the construction of the Kartarpur Sahib Corridor which connects Darbar Sahib Gurdwara located in Pakistan's Narowal district with the Dera Baba Nanak shrine in Gurdaspur district in Punjab, India.

- The agreement will ensure a visa-free travel for the Indian pilgrims.
- A list of shrines and holy places have been determined under the 1974 Protocol on Visits to Religious Shrines, as per which Indian and Pakistani citizens can visit the respective countries and their holy

sites.

- The agreement is valid for a period of five years and either of the two countries can terminate it giving a notice period of a month.
- This corridor can be considered as a road to peace between the two neighboring countries.

Karandeep Kaur, Class XI

## **Sustainable living a Conscious Choice!**

The United Nations institutionalised the term Sustainable Development in the 1992 Earth Summit, and since it has travelled the globe with the spirit to reduce waste and increase longevity.

As mankind dwells to find a balance and sustain for a longer time, a movement towards living sustainably and less wastefully has emerged as a ray of hope for our species to exist. The continual change in trends and the ever-rising consumerism are questioning the existence of the future generation.

As a generation, we are not able to draw a clear distinction between what we need and what we want or desire. Caught in a circle of buying and disposing of is a capitalist nature of living. As we practice worshipping these industries for all the lucrative things they serve, we end up being trapped in their clutches, flooding our emails with their newest launches, wrapped in witty advertisements and strategically marketed offers.

Now, living a less wasteful life may have diverse set of meanings for many but, out of the many ways, we all adapt a few listed below:

1. As the government reinforces the abolishment of the single-use plastics, so we should eliminate the use of single use items. Following the same, we should carry a shopping bag to markets, reusable bottles that can be refilled.
2. Make DIY (Do It Yourself) projects using wastes, which can be used for storage, organisational, or even entertainment purposes. It ignites creativity, empathy and encourages optimal usage of the resources and space. Some DIYs are upcycling garments, making planters from plastics and cardboards, etc.
3. Avoid using packaged food items, Food items sealed in plastic packets and containers are well-known to be bad for our health with their preservatives, added colours and addictive properties, but their devilish activities go beyond their sealed corners and end up in our landfills and water bodies.
4. Many NGOs and other organisations reuse electronic waste (E-Waste). Mindfully dispose of your E-waste in Electronics Recycling bins or hubs that help recycle these Items and further eliminate the pollution of various forms caused due to careless disposal in landfills.

Simranjit Kaur, Class - XI

## **Life of a student**

Human beings want to fulfill their wishes. For this we need money and a way to make money. As a human, we have to go through different stages of our lives and have different experience before we become an adult. We need to go to school. We start going to school when we are 3 to 5 years old. And this stage is referred to as student life.

Student life is considered as the golden age of life . It is the time to build a better future for ourselves. Student life gives us amazing and beautiful memories. The most important thing for a student to do is to study and learn. Student life has a big effect on the whole life of a person. As a student, sometimes our life can be

busy and hard. But this stage shapes the personality of a person.

Student Life is not only the best time of a person's life but also the most important. This time will determine our future. Students are usually busy with school activities, homework, classes, and learning new things. We can carve out a bright future for ourselves by utilizing this time. Students have a lot of potential and school provides a way to utilize that potential. As a student you should be committed to school and your studies. We should utilize this time and make best future for us. I hope my essay on student life will be helpful in understanding different aspects of student life.

Satyam Kumar, Class XI

## Environment

The environment means a surrounding where we meet, we live and we breathe. It is one of the basic essential things for living beings. The word Environment includes all biotic and abiotic things which are present around us. It provides fundamental things like air, water, food, and land which is very important for our well-being.

It's a gift given by God to human beings which helps in nurturing human life. Importance of Environment :- It plays a vigorous role in keeping living things hale and hearty. It helps in maintaining the ecological balance. It provides food, shelter, air and accomplishes all human needs. In addition to this, environment is the source of natural beauty which is necessary for maintaining our physical and mental health. Impact of Human Activities on the Environment:- There are various types of human activities which are directly contributing to environmental disasters such as acid rain, acidification of oceans, change in the climate, deforestation, depletion of an ozone layer, disposal of hazardous wastes, global warming, overpopulation, pollution, etc. The components of the environment are:-

Biotic Components:- It includes all biotic factors or living forms like plants, animals, and microorganisms.

Abiotic Components:- It includes non-living factors like temperature, light, rainfall, soil, minerals, etc. It comprises the atmosphere, lithosphere, and hydrosphere.

Simranjit Singh, Class XI

## Climate Change

Climate change is a serious global challenge today. It is an issue that the whole world is worried about. Climate change refers to the changes that occur in Earth's climatic conditions resulting in a new weather that lasts for a few decades. These climate changes are having various impacts on the ecosystem and ecology. Due to these changes we are facing serious problems like heavy storms, heat waves, floods, melting glaciers etc. There are various causes that trigger climate change. Some of these causes are natural, but the major portion of climate change is causing due to human activities.

Natural causes such as volcanic eruption, tectonic plate movement, oceans currents, Earth orbital variation usually contribute to climate change. But, human activities have major negative impact on our environment such as deforestation, burning fossil fuels, farming livestock etc. generate greenhouse gases. This results in greenhouse effect and global warming which are the major causing factor of climate change. No doubt climate change is one of the most serious problem that not only affect the Environment but also the human beings. We must start contributing to our environment before it is too late. We have to take initiative and make everyone aware of the climate change.

Navdeep Kaur, Class XI

## Corruption

Corruption is one of the most serious issues facing society today. It has become increasingly rampant in all sectors, from government to business and even in our everyday lives. It appears in many forms, ranging from bribery and embezzlement to extortion and fraud. Corruption damages trust and erodes public confidence, leading to a breakdown of institutions that are responsible for maintaining law and order. Corruption has expanded in scope, and it now substantially curtails the nation's economic, social and infrastructure development like never before. There are several causes of corruption and they negatively impact society. We, as conscious citizens should participate in combatting and addressing the problem of corruption for the betterment of our society.

Sardarjee Ashat Vikrat Singh Bajwa, Class XI

## Global Warming

Global warming is the long-term warming of the planet's overall temperature. Though this warming trend has been going on for a long time, its pace has significantly increased in the last hundred years due to the burning of fossil fuels. As the human population has increased, so has the volume of fossil fuels burned. Fossil fuels include coal, oil, and natural gas, and burning them causes what is known as the "greenhouse effect" in Earth's atmosphere.

The greenhouse effect is when the sun's rays penetrate the atmosphere, but when that heat is reflected off the surface cannot escape back into space. Gases produced by the burning of fossil fuels prevent the heat from leaving the atmosphere. These greenhouse gasses are carbon dioxide, chlorofluorocarbons, water vapor, methane, and nitrous oxide. The excess heat in the atmosphere has caused the average global temperature to rise overtime, otherwise known as global warming.

Simran Singh, Class XII

## How to choose 'Right Stream' after Class 10?

When we are growing up, we all heard a very common statement-"90% se zyadaaayehain,abto science le saktahai, congratulations!" There was a standard procedure that had to be followed if you score higher than average, you were meant to be the next Einstein. Choosing the right stream after class 10 remains one of the toughest decisions in one's career . If you were the average student ,you are definitely meant to sit in an accountant's office and if you were unfortunate enough to score less than average you were better off studying history and geography because honestly, no one cared what you would do in your life. This notion of categorizing science, commerce and humanities reminds me of a class system, where science is the king ,commerce is a mere advisor to the king and humanities is somewhere in the castle wiping the floor. But, now we are leaving behind this notion of how streams should be chosen based on only academics . Marks are no doubt, a reflection of one's capabilities, but they should not be the sole reason for choosing the right stream.

Ravipal Kaur, Class XII